Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

# वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 199 | मंगलवार, 28 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

## लाठीचार्ज पर सीजेआई सूर्यकांत ने कर दी अहम टिप्पणी, प्रदर्शन के लिए राष्ट्रव्यापी प्रोटोकॉल बनाने के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर छिड़े विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने आज बेहद स्पष्ट और अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है और केवल यह कहकर कि कहीं आंदोलन चल रहा था, पुलिस की कथित ज्यादतियों को उचित नहीं ठहराया जा सकता। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिए कि अब पूरे देश में विरोध-प्रदर्शनों के लिए एक समान प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है, ताकि लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहें और कानून-व्यवस्था भी कायम रहे।

हम आपको बता दें कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह टिप्पणी 20 जुलाई को कथित नीट पेपर लीक के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन और पिछले सप्ताह दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने इन मामलों को केवल दिल्ली तक सीमित मानने से इंकार करते हुए कहा कि यह पूरे देश से जुड़ा मुद्दा है और इस पर व्यापक दिशा-निर्देश तैयार किए जाने चाहिए।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान में निहित है। यह पूर्ण रूप से संरक्षित अधिकार है और इससे इंकार नहीं किया जा सकता। केवल आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की कथित ज्यादतियों को उचित नहीं ठहराया जा सकता।' अदालत ने यह भी जोड़ा कि 'आंदोलन का मतलब लाठीचार्ज नहीं होता और न ही आंदोलन का मतलब हिंसा होता है।'

सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र में प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के लिए पहले से निर्धारित और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराए जाने चाहिए। यदि किसी प्रदर्शन में असामाजिक तत्व घुसकर हिंसा फैलाने की कोशिश करें तो उनके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन इसका असर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के संवैधानिक अधिकारों पर नहीं पड़ना चाहिए।

हालांकि अदालत ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाने के साथ-साथ पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को भी समान रूप से महत्वपूर्ण बताया। सुनवाई के दौरान जब पुलिसकर्मियों के घायल होने और उनके परिवारों पर कथित हमलों का मुद्दा उठाया गया तो न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि पुलिसकर्मियों को लगी चोट भी उतनी ही गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने संकेत दिया कि राज्य सरकारों से यह भी पूछा जा सकता है कि पुलिस की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पूरे देश में ऐसा स्पष्ट और एकरूप प्रोटोकॉल होना चाहिए, जिसमें यह तय हो कि कोई भी व्यक्ति या संगठन यदि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहता है तो उसके लिए क्या प्रक्रिया होगी, किन स्थानों का उपयोग किया जाएगा और प्रशासन की जिम्मेदारियां क्या होंगी। साथ ही अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में आत्मानुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि इस विषय पर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ टकराव की बजाय सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, ताकि पूरे देश में लागू होने वाले अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें। अदालत ने कहा कि यह केवल किसी एक राज्य या एक घटना का मामला नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान भी अदालत ने दोहराया कि जब तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में है, तब तक केवल आंदोलन के आधार पर लाठीचार्ज जैसी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं हो सकती। यदि कहीं पुलिस की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग हुआ है तो उसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

अब इस बहुचर्चित मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी। माना जा रहा है कि अदालत देशभर में विरोध-प्रदर्शनों के लिए एक समान व्यवस्था और जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकती है। यदि ऐसा होता है तो भविष्य में प्रदर्शनकारियों के अधिकारों और पुलिस की जिम्मेदारियों, दोनों के लिए एक स्पष्ट राष्ट्रीय मानक स्थापित हो सकता है।

## संसद में गतिरोध बरकरार, अमित शाह से जवाब को अड़ा विपक्ष, कार्यवाही ठप

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर पिछले सप्ताह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण प्रश्नपत्र लीक रोकने संबंधी प्रावधानों वाले विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी जिसे सरकार ने आज ही सदन में पेश किया था। छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से जवाब देने की मांग कर रहे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से सदन की बैठक तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा की बैठक भी सोमवार को चार बार के स्थगन के बाद शाम पांच बज कर पंद्रह मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, सूत्रों ने कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाले विधेयक पर सत्तापक्ष और विपक्ष में सहमति बनी, कल चर्चा शुरू हो सकती है। सरकार ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाला संशोधन विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और कुछ अन्य सदस्यों का नाम लिया और कहा कि क्या इस विधेयक को लेकर वे कुछ बोलना चाहते हैं। हालांकि, किसी विपक्षी सदस्य ने इस पर अपनी बात नहीं रखी।

## विजय सरकार को मद्रास हाईकोर्ट से झटका, करूर भगदड़ पीड़ित परिजनों को नौकरी देने के आदेश पर लगाई रोक

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**तमिलनाडु।** तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने राज्य सरकार के उन सरकारी आदेशों (जीओ) को रद्द कर दिया, जिनके तहत भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने का फैसला लिया गया था। यह आदेश करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों के पुनर्वास पैकेज का हिस्सा था। अदालत ने इस मामले में दायर जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया।

### हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते समय क्या कहा?

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि करूर भगदड़ मामले की जांच फिलहाल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है और इस जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। अदालत ने कहा कि चूंकि मामला जांच के दायरे में है और सर्वोच्च अदालत इसकी निगरानी कर रही है, इसलिए वह मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी। इसी के साथ अदालत ने तमिलनाडु सरकार के सरकारी आदेशों को निरस्त कर दिया।

### सरकार ने किसे और कब सरकारी नौकरी दी थी?

मुख्यमंत्री विजय ने 10 जुलाई को मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार करूर का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने सितंबर 2025 की करूर भगदड़ से प्रभावित परिवारों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम की शुरूआत की थी। मुख्यमंत्री ने जान गंवाने वाले 41 लोगों के परिवारों में से 32 पात्र सदस्यों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे थे।

राज्य सरकार ने प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया था।

### करूर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने क्या किया था?

करूर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने जिला कलेक्टर कार्यालय में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की थी और उनकी समस्याएं सुनी थीं। इसके बाद उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को भी संबोधित किया। सरकार ने इसे प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में बड़ा कदम बताया था। इसी फैसले को चुनौती देते हुए दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अब सरकारी आदेश को रद्द कर दिया है।

## फिर से विरोध करने पर मजबूर होना पड़ेगा: सीजेपी ने सरकार को दी चेतावनी

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को सरकार को चेतावनी दी कि अगर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी FIR वापस नहीं ली गईं, तो उसे एक और विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने एक नए बयान में सरकार, खासकर केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई मामला दर्ज न किया जाए। रांका ने हिरासत में लिए गए सभी छात्रों को तुरंत रिहा करने की भी मांग की।

रांका ने पर लिखा कि हम मांग करते हैं कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी FIR तुरंत वापस ली जाएं, छात्रों को रिहा किया जाए और (हमारे समझौते के अनुसार) दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियों या इखढ-शासित राज्यों की पुलिस की ओर से भविष्य में कोई FIR दर्ज न की जाए। ऐसा न होने पर हम दोबारा विरोध-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। रांका की ये बातें सौरव दास के उस बयान के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने उन खबरों पर बात की थी कि छात्रों और दूसरे प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया जा रहा है, हिरासत में लिया जा रहा है या गिरफ्तार किया जा रहा है। अपना विरोध प्रदर्शन वापस लेने से पहले, CJP ने कहा कि सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और भारत के दूसरे शहरों में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले प्रदर्शनकारियों या वॉलंटियर्स के खिलाफ कोई कानूनी या पुलिस केस दर्ज नहीं किया जाएगा।

## सीजेपी के बाद सामने आई 'ई20 जनता पार्टी', इंस्टाग्राम पर मिल रहा जबरदस्त समर्थन

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** पेपर लीक के मुद्दे पर देश में Gen Z की अनोखी एकता दिखाने वाले 'कॉकरोच' आंदोलन के बाद, एथनॉल मिश्रित ईंधन का विरोध करने वाल एक नया डिजिटल समुदाय सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ रहा है।

'ई20 जनता पार्टी' ने खुद को कॉकरोच जनता पार्टी की तर्ज पर तैयार किया है। यह एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक आंदोलन था जो भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी से शुरू हुआ था और NEET पेपर लीक के मुद्दे को उठाकर देशव्यापी आंदोलन बन गया था।

### इंस्टाग्राम पर ई20 जनता पार्टी को मिल रहा समर्थन

इंस्टाग्राम पर ई20 जनता पार्टी के 2,20,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

इस तथाकथित 'पार्टी' का कहना है कि वह कम कीमत पर 100% असली ईंधन चुनने की आजादी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के इस्तीफे की मांग करती है, जिन्हें ई20 ईंधन को लेकर डिजिटल विरोध का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि, सरकार ने कहा कि कम मानक वाले बिना मिश्रण वाले ईंधन पर वापस लौटने का कोई प्रस्ताव नहीं है

भारत में आज मिलने वाले पेट्रोल को ई20 कहा जाता है क्योंकि इसमें 20% एथनॉल मिलाया जाता है, जिसे सरकार तकनीकी रूप से उन्नत ईंधन बताती है। हालांकि, आलोचकों का दावा है कि ई20 ईंधन से माइलेज कम हो जाता है और गाड़ियों के इंजन खराब हो जाते हैं।

लेकिन सरकार का कहना है कि यह सुरक्षित और साफ सुथरा है और किसी भी प्रयोगशाला परीक्षण या वास्तविक उपयोग से यह साबित नहीं हुआ है कि ई20 से इंजन को कोई नुकसान या टूट-फूट होती है। हालांकि, सरकार ने माना कि ई10 अनुकूल गाड़ियों में ई20 ईंधन का इस्तेमाल करने पर माइलेज में थोड़ी कमी आ सकती है।

CJP की सफलता के बाद ई20 पार्टी का सामने आना महत्वपूर्ण है। शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने पिछले हफ्ते अपना महीने भर का विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया, जो एक अप्रत्याशित संगठन के लिए एक दुर्लभ सफल शुरूआत थी।

## 'मैं एक स्ट्रीट फाइटर हूं', जयराम रमेश के तंज पर धर्मेंद्र प्रधान ने दिया जवाब

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को धर्मेंद्र प्रधान पहली बार संसद पहुंचे। धर्मेंद्र प्रधान कार से उतरे, मुस्कुराए, हाथ जोड़कर नमस्ते किया और सत्ताधारी पार्टी के सांसदों की हौसला-अफजाई और धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद के नारों के बीच संसद की ओर बढ़ने लगे।

संसद के बाहर बीजेपी और एनडीए के सांसदों ने धर्मेंद्र प्रधान का जोरदार स्वागत किया। वहां खुशी का माहौल था, सांसद चारों ओर जमा हो गए, एक सांसद ने तो पूर्व मंत्री के सिर पर एक पारंपरिक टोपी और कंधों पर शॉल भी पहनाई, जिससे ओडिशा के इस नेता के प्रति उनका समर्थन साफ झलकता है।

एक सांसद ने कहा कि यह पहली बार है कि जब किसी मंत्री ने बिना किसी आरोप का सामना किए इस्तीफा दिया है। शनिवार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने वाले प्रधान से कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, 'ऐसा होता रहता है।'

### मैं जमीनी लड़ाई लड़ने वाला नेता हूं- धर्मेंद्र प्रधान

धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार करते हुए कहा, 'कुछ नहीं हुआ और आगे कहा, मैं जमीनी लड़ाई लड़ने वाला नेता हूं, अउ रूम में बैठकर एक्टिविज्म करने वाला नहीं हूं।'

कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी सांसद को पार्टी संगठन में कोई भूमिका दी जा सकती है या उन्हें पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी के प्रचार अभियान की कमान सौंपी जा सकती है।

उनके समर्थकों का मानना है कि उन्होंने देशहित में अपना पद त्याग दिया है। उम्मीद है कि इस कदम से जनता और अपने संसदीय क्षेत्र संबलपुर में उनकी छवि और मजबूती होगी।

## पेपर लीक पर अंकुश लगाने वाला संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश, हंगामे के कारण नहीं हुई चर्चा

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** लोकसभा में पेपर लीक तथा लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पेश 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' सोमवार को चर्चा के लिए पेश किया गया लेकिन कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण इस पर चर्चा नहीं हो सकी और अंततः सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के सदस्य तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने का आग्रह करते हुए कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक है।

इसकी प्रति सभी सदस्यों को पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है, इसलिए सदस्यों को इस पर चर्चा करनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'कई सदस्य विधेयक पर चर्चा के लिए पूरी तैयारी के साथ आए हैं। विपक्ष के कई सदस्यों ने संशोधन भी दिए हैं। यह बच्चों और छात्रों के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक है। वक्ता भी चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दल जानबूझकर इस विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। मैं बहुत दुखी मन से कह रहा हूं कि पहले दिन यही लोग पेपर लीक पर चर्चा की मांग कर रहे थे।' उन्होंने कहा कि सरकार अब विधेयक लेकर आई है और विधेयक को सदन में चर्चा के लिए पेश भी कर किया जा चुका है, लेकिन विपक्ष इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहा है। उन्होंने कांग्रेस के सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा, 'कृपया ऐसा न करें। आपकी छवि पहले ही काफी खराब हो चुकी है। ऐसे कार्य न करें, जिनसे आपकी पार्टी की और बदनामी हो। पूरी पार्टी को एकजुट होकर इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा में भाग लेना चाहिए। इस विधेयक का उद्देश्य हमारे युवाओं और छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना है।' तेन्नेटी ने कहा कि यह विधेयक देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। विपक्ष ने भी विधेयक लाने की बात कही थी। सरकार विधेयक लेकर आई है। इसकी प्रति सभी सदस्यों को पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके बावजूद चर्चा नहीं हो पा रही है, जबकि अनेक सदस्य इसकी तैयारी करके आए हैं। उनकी अपील के बावजूद किसी सदस्य ने उनकी बात नहीं सुनी तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए सदस्यों से संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रारंभ करने का आग्रह किया था। लेकिन कांग्रेस तथा अन्य कई विपक्षी दलों के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए और तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच उन्होंने सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा कि यह विधेयक देश के करोड़ों विद्यार्थियों की आकांक्षाओं से जुड़ा है और इसका उद्देश्य पेपर लीक तथा लोक परीक्षाओं में होने वाली धांधली पर प्रभावी अंकुश लगाना है। उनका कहना था कि लोकतंत्र की शक्ति विचार-विमर्श में निहित है और प्रत्येक सदस्य को इस महत्वपूर्ण विधेयक पर अपने विचार एवं मत व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए। रिजिजू ने भी कहा कि विधेयक पर बड़ी संख्या में संशोधन और चर्चा के नोटिस प्राप्त हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि सदस्य इस पर चर्चा चाहते हैं।

## संपादक की कलम से

# आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र : सवालों के बीच सच्चाई की तलाश

ललित शर्मा
संपादक

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वत: पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है। यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार, किसी आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का भी मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक धारणाओं के आधार पर। हाल के वर्षों में भारत में अनेक आंदोलनों ने राष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित किया है। किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शन, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरुद्ध आंदोलन तथा युवाओं से जुड़े अनेक अभियान इसका उदाहरण हैं। इन आंदोलनों ने यह स्पष्ट किया कि देश का युवा वर्ग अपने अधिकारों और भविष्य के प्रश्नों पर मुखर है। साथ ही, इन आंदोलनों ने यह प्रश्न भी उठाया कि किसी जनांदोलन की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके संचालन की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से भी तय होती है। जब कोई नया चेहरा अचानक राष्ट्रीय स्तर पर उभरता है, सोशल मीडिया पर अल्प समय में अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त करता है या किसी बड़े आंदोलन का नेतृत्व करता दिखाई देता है, तो स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा उत्पन्न होती है। लोग उसके जीवन, पृष्ठभूमि, वैचारिक यात्रा, आर्थिक स्रोत और संगठनात्मक क्षमता के बारे में जानना चाहते हैं। लोकतंत्र में यह जिज्ञासा अनुचित नहीं है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय व्यक्ति से सार्वजनिक जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक है। किंतु जिज्ञासा और आरोप के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। प्रश्न पूछना लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि बिना प्रमाण किसी निष्कर्ष पर पहुँच जाना लोकतांत्रिक विवेक के विपरीत है। आज सोशल मीडिया ने राजनीति की प्रकृति बदल दी है। पहले लोकप्रियता वर्षों के संघर्ष से मिलती थी, अब कभी–कभी कुछ दिनों में लाखों–करोड़ों लोगों तक पहुँच बन जाती है। एल्गोरिद्म, वायरल सामग्री, मीडिया कवरेज, समर्थकों के अभियान, विज्ञापन और डिजिटल नेटवर्क किसी व्यक्ति की पहुँच को बहुत तेजी से बढ़ा सकते हैं। इसलिए केवल अनुयायियों की संख्या देखकर किसी षड्यंत्र का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर यदि किसी डिजिटल अभियान में कृत्रिम प्रचार, बॉट नेटवर्क या अपारदर्शी संसाधनों के संकेत मिलते हैं, तो उनकी स्वतंत्र जाँच भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा होनी चाहिए। लोकतंत्र में आंदोलन की सफलता केवल भीड़ की संख्या से नहीं मापी जाती। कई बार छोटे आंदोलन बड़े परिवर्तन का कारण बनते हैं और कई बार विशाल भीड़ भी स्थायी प्रभाव नहीं छोड़ पाती। किंतु किसी आंदोलन में यदि हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव या उकसावे की घटनाएँ सामने आती हैं, तो उनकी निष्पक्ष जाँच आवश्यक हो जाती है। यह भी उतना ही आवश्यक है कि दोषियों की पहचान व्यक्तिगत जिम्मेदारी के आधार पर हो, न कि पूरे आंदोलन या पूरे समाज को एक ही रंग में रंग दिया जाए।

## मैं हूँ एक किशान

उदय किशोर साह

कविता

मेरा जन्नत मेरा गाँव । जवार
भले तुम कह लो अनपढ़ गंवार
हर दिन होती घर घर में त्यौहार
जब पड़ती लोकगीत की फुहार

फसल लगाना हमारा है काम
खेत खलिहान मेरे इष्ट का धाम
मेहनत मजदूरी मेरा अरमान
मैं हूँ एक सच्चा ग्रामीण किशान

अन्नदाता मेरा ही है एक उपनाम
खेती में रमा हूँ मैं सुबह से शाम
भले फटेहाल जिन्दगी हो तमाम
फिर भी जीता हूँ आन बान शान

प्रकृति को करता हूँ मैं नित्य प्रणाम
नदी पर्वत जंगल को है मेरा सलाम
आस पड़ोस में ना कोई है बेईमान
मेरे मन मंदिर में बसा है हन्दुस्तान

मेरे दिल की धड़कन। में है ईमान
जग वाले देते हैं मेरे काम को सम्मान
सब मानव को मानता हूँ मैं भगवान
मैं हूँ देश का फिर भी गरीब किशान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

# अश्लीलता के खिलाफ भी अब हो आंदोलन

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

मनोरंजन समाज का दर्पण भी होता है और दिशा-निर्देशक भी। जिस समाज का मनोरंजन जैसा होता है, धीरे-धीरे उसकी भाषा, व्यवहार, सोच और सामाजिक संस्कृति भी उसी दिशा में प्रभावित होने लगती है। इसलिए यह प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है कि क्या हम मनोरंजन के नाम पर सब कुछ स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? हरियाणा के रोहतक जिले के महम चौबीसी के चौबूतरे पर महिला डांसरों द्वारा प्रस्तुत अश्लील नृत्य, गीत और वीडियो के विरोध में उठी आवाज केवल एक स्थानीय घटना नहीं है। यह उस व्यापक चिंता का प्रतीक है जिसे देश का एक बड़ा वर्ग महसूस कर रहा है। लेकिन यदि यह आंदोलन केवल मंचों और सार्वजनिक आयोजनों तक सीमित रह गया, तो शायद यह अधूरा आंदोलन होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अश्लीलता के हर रूप पर समान रूप से चर्चा हो—चाहे वह मंच पर हो, सोशल मीडिया पर हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर। डिजिटल क्रांति ने मनोरंजन को लोकतांत्रिक बनाया है। अब हर व्यक्ति केवल दर्शक ही नहीं, बल्कि निमार्ता भी बन गया है। मोबाइल कैमरा और इंटरनेट ने लाखों लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है। इससे अनेक सकारात्मक बदलाव भी आए हैं। लेकिन इसके साथ एक ऐसी प्रतिस्पर्धा भी शुरू हुई है जिसमें अधिक व्यूज, अधिक लाइक और अधिक कमाई के लिए उत्तेजक सामग्री को प्राथमिकता दी जाने लगी है। परिणाम यह है कि कई बार प्रतिभा से अधिक अश्लीलता, सनसनी और अभद्रता वायरल होती दिखाई देती है। आज सोशल मीडिया के अनेक मंचों पर ऐसे वीडियो सहजता से उपलब्ध हैं जिनमें भद्दे संवाद, दोहरे अर्थ वाले गीत, उत्तेजक नृत्य और अपमानजनक भाषा को मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यही नहीं, कई बार ऐसे वीडियो एल्गोरिद्म के कारण लाखों लोगों तक स्वतः पहुँच जाते हैं। यदि किसी सामग्री को अधिक देखा जाता है, तो प्लेटफॉर्म उसे और अधिक लोगों तक पहुँचाते हैं। इस व्यवस्था में गुणवत्ता की तुलना में लोकप्रियता अधिक महत्व प्राप्त कर लेती है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने भारतीय मनोरंजन उद्योग को नई दिशा दी है। अनेक उत्कृष्ट फिल्में, वेब सीरीज और वृत्तचित्र भी इन्हीं माध्यमों से सामने आए हैं। इसलिए ओटीटी को एकतरफा दोष देना उचित नहीं होगा। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ निमार्ता कहानी की आवश्यकता से अधिक नग्नता, गाली-गलौज और हिंसा का प्रयोग केवल दर्शकों को आकर्षित करने के लिए करते हैं। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि यदि किसी वेब सीरीज में पर्याप्त अपशब्द, उत्तेजक दृश्य या अत्यधिक हिंसा नहीं होगी, तो वह सफल नहीं मानी जाएगी।

यह प्रवृत्ति गंभीर विचार की मांग करती है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ऐसी सामग्री पर आयु सीमा लिखी होती है और उसे परिवार के साथ देखने के लिए नहीं बनाया गया है। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। भारत में अधिकांश बच्चे और किशोर मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। आयु सत्यापन की व्यवस्थाएँ सीमित हैं और कई बार औपचारिक भर रह जाती हैं। माता-पिता हर समय यह नहीं देख सकते कि बच्चा मोबाइल पर क्या देख रहा है। ऐसे में केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता। मनोवैज्ञानिक वर्षों से बताते आए हैं कि बचपन और किशोरावस्था में व्यक्ति का व्यक्तित्व तेजी से विकसित होता है। भाषा, व्यवहार, संबंधों की समझ और सामाजिक संवेदनशीलता पर उसके आसपास के वातावरण का प्रभाव पड़ता है। डिजिटल सामग्री भी उसी वातावरण का हिस्सा बन चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर बच्चा किसी वीडियो को देखकर वैसा ही बन जाएगा, लेकिन यह मान लेना भी उचित नहीं कि सामग्री का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ता। परिवार, विद्यालय, मित्र, समाज और डिजिटल माध्यम—सभी मिलकर व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभाते हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अश्लीलता की परिभाषा हर समाज और हर समय में एक जैसी नहीं होती। कला, साहित्य और सिनेमा को कठिन विषयों पर चर्चा करने तथा सामाजिक यथार्थ दिखाने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण अधिकार है। इसलिए किसी भी विचार से असहमति मात्र के आधार पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति भी उचित नहीं होगी। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यावसायिक लाभ के लिए जानबूझकर उत्तेजक सामग्री परोसने के बीच स्पष्ट अंतर है। यही संतुलन सबसे महत्वपूर्ण है। समस्या केवल कंटेंट निमार्ताओं की नहीं है। दर्शक भी इस पूरी व्यवस्था का हिस्सा हैं। यदि अश्लील या सनसनीखेज सामग्री को लाखों-करोड़ों बार देखा जाएगा, तो बाजार उसी दिशा में आगे बढ़ेगा। इसलिए समाज को भी आत्ममंथन करना होगा कि वह किस प्रकार की सामग्री को प्रोत्साहित कर रहा है। केवल विरोध प्रदर्शन करने से परिवर्तन नहीं आएगा; देखने की आदतों में भी बदलाव आवश्यक है। सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेंसरशिप अंतिम उपाय होना चाहिए, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, स्पष्ट आयु वर्गीकरण, प्रभावी पैरेंटल कंट्रोल, शिकायत निवारण प्रणाली और पारदर्शी नियमन जैसे कदमों पर गंभीरता से काम किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भी सामाजिक जिम्मेदारी है कि वे केवल लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान में रखें। विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता आज समय की आवश्यकता बन चुकी है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर सामग्री उनके लिए उपयुक्त नहीं होती। उन्हें आलोचनात्मक सोच, जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना आवश्यक है। अभिभावकों को भी बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा। केवल मोबाइल छीन लेना समाधान नहीं है; सही मार्गदर्शन और विश्वास का वातावरण अधिक प्रभावी उपाय हो सकता है। यदि समाज सार्वजनिक मंचों पर अश्लील नृत्य का विरोध करता है, तो उसे सोशल मीडिया और ओटीटी पर उपलब्ध समान प्रकृति की सामग्री पर भी समान संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। विरोध चयनात्मक नहीं होना चाहिए। संस्कृति की रक्षा केवल चौपालों, मेलों या आयोजनों तक सीमित नहीं रह सकती; आज उसकी सबसे बड़ी परीक्षा डिजिटल दुनिया में हो रही है। हमें यह भी समझना होगा कि स्वस्थ मनोरंजन का अर्थ उबाऊ मनोरंजन नहीं होता। भारत की कला, संगीत, रंगमंच, सिनेमा और लोक परंपराएँ समृद्ध हैं। उत्कृष्ट मनोरंजन और सामाजिक उत्तरदायित्व साथ-साथ चल सकते हैं। अनेक फिल्में, वेब सीरीज और कार्यक्रम इसका प्रमाण हैं कि बिना अश्लीलता के भी दर्शकों का दिल जीता जा सकता है। नई पीढ़ी को आधुनिक तकनीक से दूर रखना न संभव है और न आवश्यक। आवश्यकता उन्हें तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग सिखाने की है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाले वर्षों में हमारी युवा पीढ़ी संवेदनशील, रचनात्मक और जिम्मेदार नागरिक बने, तो हमें मनोरंजन के बदलते स्वरूप पर गंभीर सामाजिक संवाद करना होगा। अश्लीलता के विरुद्ध आंदोलन का अर्थ कला या अभिव्यक्ति का विरोध नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ है—ऐसे वातावरण का निर्माण जिसमें रचनात्मकता, गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिले। समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सरकार—सभी की साझा जिम्मेदारी है कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक मयार्दा के बीच संतुलन स्थापित करें। आज आवश्यकता किसी एक मंच के विरोध की नहीं, बल्कि उस सोच के विरोध की है जो यह मान बैठी है कि अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिए मयार्दा का त्याग करना ही सफलता का रास्ता है। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भाषा, बेहतर संवेदना और बेहतर सांस्कृतिक वातावरण देना चाहते हैं, तो यह आंदोलन केवल चौपाल से नहीं, हर घर और हर मोबाइल स्क्रीन से शुरू होना चाहिए।

# विश्वविद्यालय जीवन का अनदेखा पक्ष

डॉ विजय गर्ग
लेखक

जब भी हम विश्वविद्यालय की कल्पना करते हैं, तो हमारे सामने विशाल भवन, आधुनिक पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, व्याख्यान कक्ष, खेल मैदान और दीक्षांत समारोह की तस्वीर उभरती है। यह विश्वविद्यालय का दिखाई देने वाला स्वरूप है। लेकिन इसके समानांतर एक और दुनिया भी होती है, जो दिखाई नहीं देती, फिर भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को सबसे अधिक प्रभावित करती है। यही है विश्वविद्यालय जीवन का अनदेखा पक्ष। विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाली संस्था नहीं है। यह वह स्थान है जहाँ एक युवा स्वयं को पहचानता है, अपने विचारों को विकसित करता है, जीवन के उद्देश्य को समझता है और एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। कक्षा में मिलने वाला ज्ञान महत्वपूर्ण है, लेकिन जीवन की सबसे बड़ी सीख अक्सर कक्षा के बाहर मिलती है।

### कक्षा से बाहर का वास्तविक शिक्षण

शिक्षा केवल पुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं होती। विश्वविद्यालय परिसर में मित्रों के साथ होने वाली चर्चाएँ, शिक्षकों से अनौपचारिक संवाद, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद, शोध परियोजनाएँ, इंटर्नशिप और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार करती हैं। यहीं वे टीम में काम करना, नेतृत्व करना, समस्याओं का समाधान निकालना, अलग-अलग विचारों का सम्मान करना और प्रभावी संवाद स्थापित करना सीखते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में ये कौशल अकादमिक ज्ञान जितने ही महत्वपूर्ण हैं।

### चुनौतियाँ जो व्यक्तित्व को गढ़ती हैं

विश्वविद्यालय जीवन हमेशा आसान नहीं होता। पढ़ाई का दबाव, आर्थिक कठिनाइयाँ, घर से दूर रहने का अनुभव, नई भाषा या नए वातावरण में सामंजस्य स्थापित करना और भविष्य को लेकर अनिश्चितता—ये सभी चुनौतियाँ विद्यार्थियों के सामने आती हैं। हालाँकि ये परिस्थितियाँ कठिन लग सकती हैं, लेकिन यही अनुभव विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाते हैं। समय का प्रबंधन, असफलता से सीखना और कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ते रहना जीवन के ऐसे पाठ हैं, जो किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिलते।

### मित्रता की अमूल्य पूँजी

विश्वविद्यालय जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है सच्चे मित्रों का साथ। यही मित्र पढ़ाई में सहयोगी बनते हैं, कठिन समय में संबल देते हैं और जीवनभर साथ निभाने वाले साथी बन जाते हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों, भाषाओं, संस्कृतियों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थियों को एक साथ लाता है। इससे युवाओं में सहिष्णुता, विविधता के प्रति सम्मान और व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है।

### छिपा हुआ पाठ्यक्रम

शिक्षाविद् अक्सर 'हिडन करिकुलम' की बात करते हैं। इसका अर्थ उन मूल्यों और व्यवहारों से है, जिन्हें औपचारिक रूप से नहीं पढ़ाया जाता, लेकिन विद्यार्थी अपने अनुभवों से सीखते हैं। शिक्षकों की कार्यशैली, संस्थान का अनुशासन, निर्णय लेने की प्रक्रिया, सामाजिक व्यवहार और नैतिक मूल्यों का पालन—ये सभी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करते हैं। ईमानदारी, अनुशासन, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता जैसी विशेषताएँ इसी अनदेखी शिक्षा का हिस्सा हैं।

### नेतृत्व और आत्मविश्वास का विकास

विश्वविद्यालय में क्लबों, छात्र संगठनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और सामाजिक अभियानों में भाग लेने से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। वे योजना बनाना, निर्णय लेना, टीम का संचालन करना, मतभेदों का समाधान करना और जिम्मेदारियाँ निभाना सीखते हैं। यही अनुभव उन्हें भविष्य में सफल पेशेवर और प्रभावशाली नेता बनने में सहायता करते हैं।

### असफलता भी एक शिक्षक है

विश्वविद्यालय जीवन में हर विद्यार्थी कभी न कभी असफलता का सामना करता है। किसी परीक्षा में अपेक्षित अंक नहीं मिलते, किसी प्रतियोगिता में हार मिलती है या नौकरी और इंटर्नशिप के लिए आवेदन अस्वीकार हो जाता है। लेकिन यही अनुभव धैर्य, आत्मविश्लेषण और निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देते हैं। जो विद्यार्थी असफलता से सीखना जानते हैं, वे जीवन में अधिक मजबूत और सफल बनते हैं।

### डिजिटल युग में मानवीय संबंधों का महत्व

आज विश्वविद्यालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इनसे शिक्षा अधिक सुलभ और प्रभावी हुई है, लेकिन तकनीक मानवीय संबंधों का विकल्प नहीं बन सकती। शिक्षकों का मार्गदर्शन, सहपाठियों के साथ विचार-विमर्श, समूह में सीखना और परिसर की गतिविधियों में भाग लेना ही विद्यार्थियों के सामाजिक और भावनात्मक विकास का आधार बनता है।

### समाज के प्रति जिम्मेदारी

विश्वविद्यालय केवल रोजगार की तैयारी नहीं कराता, बल्कि विद्यार्थियों में समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करता है। सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, शोध, नवाचार और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों में भागीदारी से विद्यार्थी समझते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के विकास में योगदान देना भी है।

### भविष्य की तैयारी

आज का रोजगार बाजार तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और नई तकनीकों ने कार्यस्थलों की प्रकृति बदल दी है। ऐसे समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, अनुकूलन क्षमता, नेतृत्व, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और आजीवन सीखने की प्रवृत्ति जैसी विशेषताएँ ही भविष्य की सफलता की कुंजी हैं। ये गुण मुख्यतः विश्वविद्यालय जीवन के अनदेखे अनुभवों से विकसित होते हैं। हर विश्वविद्यालय के दो परिसर होते हैं। एक वह, जो भवनों, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में दिखाई देता है; दूसरा वह, जो मित्रताओं, संघर्षों, अनुभवों, नेतृत्व, असफलताओं और आत्मविश्वास के रूप में विद्यार्थियों के भीतर विकसित होता है। दिखाई देने वाला परिसर ज्ञान देता है, जबकि अनदेखा परिसर व्यक्तित्व का निर्माण करता है। डिग्री रोजगार का द्वार खोल सकती है, लेकिन विश्वविद्यालय जीवन का अनदेखा पक्ष ही विद्यार्थियों को संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। वास्तव में, एक सफल विश्वविद्यालय वही है जो केवल स्नातक नहीं, बल्कि अच्छे इंसान भी तैयार करे।

# GEN G: चरित्रहीनता, नग्नता और सांस्कृतिक पतन की सुनामी में डूबता भारत का भविष्य

एन0के0शर्मा
लेखक

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके गगनचुंबी भवनों, चमचमाती सड़कों, तेज इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्थिक विकास दर से तय नहीं होता। राष्ट्र का वास्तविक भविष्य उसके युवाओं के चरित्र, विचार, संयम, संस्कार और नैतिक चेतना में छिपा होता है। जिस पीढ़ी के हाथों में कल का भारत सौंपा जाना है, यदि वही पीढ़ी आभासी चमक, तात्कालिक सुख, दिखावे, देह-प्रदर्शन, उच्छृंखलता और नैतिक शून्यता की गिरफ्त में चली जाए, तो फिर कोई भी आर्थिक विकास उस राष्ट्र को भीतर से खोखला होने से नहीं बचा सकता। आज भारत एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहाँ तकनीकी प्रगति और नैतिक पतन एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारे हाथों में दुनिया की सबसे शक्तिशाली डिजिटल तकनीक है, लेकिन मनुष्य के भीतर आत्मसंयम लगातार कमजोर हो रहा है। सूचना की कोई सीमा नहीं, लेकिन विवेक की सीमाएँ सिकुड़ती जा रही हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन जिम्मेदारी का बोध घटता गया है। आधुनिकता के नाम पर परम्पराओं को पिछड़ा कहा जा रहा है और उच्छृंखलता को स्वतंत्रता का पर्याय बना दिया गया है। GEN G–अर्थात डिजिटल युग में पली-बढ़ी नई पीढ़ी–के सामने अवसरों का संसार है, लेकिन उसी संसार में एक ऐसा अदृश्य जाल भी फैल चुका है, जो धीरे-धीरे उसकी सोच, रुचि, संवेदना और चरित्र को नियंत्रित कर रहा है। आज व्यक्ति क्या देखेगा, क्या सुनेगा, किससे प्रभावित होगा, किसे आदर्श मानेगा और किसे सफलता समझेगा–इन सबका निर्धारण अनेक बार उसके विवेक से अधिक एल्गोरिद्म करने लगे हैं। और सबसे भयावह बात यह है कि इस सांस्कृतिक संक्रमण को समाज का एक बड़ा वर्ग प्रगति समझकर स्वीकार कर रहा है। आज नग्नता केवल वस्त्रों के कम होने का नाम नहीं है। नग्नता तब भी होती है जब विचारों से गरिमा उतर जाती है, जब संबंधों से पवित्रता समाप्त हो जाती है, जब निजी जीवन सार्वजनिक प्रदर्शन बन जाता है और जब व्यक्ति अपने अस्तित्व का मूल्य केवल इस आधार पर मापने लगता है कि उसे कितने लोग देख रहे हैं, कितने लोग पसंद कर रहे हैं और कितने लोग उसके पीछे भाग रहे हैं। आज शरीर प्रदर्शन की वस्तु बन गया है, निजी जीवन मनोरंजन का विषय बन गया है और आत्मसम्मान 'लाइक', 'व्यूज' तथा 'फॉलोअर्स' की संख्या में बदलता जा रहा है। एक पूरी पीढ़ी ऐसी डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर चुकी है जहाँ प्रसिद्ध होने और सम्मानित होने के बीच का अंतर मिटता जा रहा है। जो सबसे अधिक दिखाई देता है, वही सबसे अधिक सफल समझा जा रहा है–चाहे उसके पास कहने के लिए कुछ हो या नहीं। सवाल यह नहीं है कि कोई व्यक्ति क्या पहनता है। सवाल यह है कि समाज किस दिशा में जा रहा है। सवाल यह नहीं है कि आधुनिकता स्वीकार की जाए या नहीं। सवाल यह है कि आधुनिकता के नाम पर क्या हम विवेक, मयार्दा और आत्मसंयम को भी त्याग देंगे? सवाल यह नहीं है कि नई पीढ़ी स्वतंत्र हो या नहीं। सवाल यह है कि स्वतंत्रता और स्वेच्छाचार के बीच का अंतर कौन समझाएगा? एक सभ्य समाज में स्वतंत्रता का अर्थ होता है–अपने निर्णय लेने की क्षमता के साथ उन निर्णयों के परिणामों की जिम्मेदारी स्वीकार करना। लेकिन आज स्वतंत्रता को कई बार जिम्मेदारी से मुक्ति समझ लिया गया है। अधिकार चाहिए, लेकिन कर्तव्य नहीं। अभिव्यक्ति चाहिए, लेकिन उत्तरदायित्व नहीं। संबंध चाहिए, लेकिन प्रतिबद्धता नहीं। सफलता चाहिए, लेकिन संघर्ष नहीं। प्रसिद्धि चाहिए, लेकिन चरित्र नहीं। यही वह बिंदु है जहाँ से सभ्यताएँ भीतर से टूटना शुरू करती हैं। भारतीय संस्कृति ने कभी शरीर को पाप नहीं माना। उसने काम, सौंदर्य, प्रेम और जीवन के आनंद को भी स्वीकार किया। लेकिन भारतीय दृष्टि ने मनुष्य को केवल शरीर नहीं माना। उसने शरीर के ऊपर मन, मन के ऊपर बुद्धि और बुद्धि के ऊपर आत्मा की प्रतिष्ठा की। यही भारतीय संस्कृति की महानता थी कि उसने भोग को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं बनाया। उसने काम को धर्म, अर्थ और मोक्ष के व्यापक जीवन-दर्शन के भीतर स्थान दिया। आज समस्या आधुनिकता नहीं है। समस्या यह है कि आधुनिकता से हमने विज्ञान तो लिया, लेकिन विवेक नहीं; तकनीक तो ली, लेकिन अनुशासन नहीं; स्वतंत्रता तो ली, लेकिन जिम्मेदारी नहीं; अधिकार तो लिए, लेकिन कर्तव्य भूल गए। आज एक ऐसा बाजार तैयार हो चुका है जो मनुष्य की कमजोरियों से लाभ कमाता है। आपकी बेचैनी, आपकी असुरक्षा, आपकी अकेलापन, आपकी तुलना की प्रवृत्ति, आपकी प्रसिद्धि की भूख–सब कुछ बिक रहा है। आपकी आंखें बाजार की सबसे बड़ी संपत्ति बन चुकी हैं। आपका ध्यान एक उत्पाद है। आपकी आदतें एक व्यापारिक आंकड़ा हैं। आपकी इच्छाएँ एक बाजार हैं। और इस बाजार को सबसे आसान शिकार मिलते हैं–वे युवा जो पहचान की तलाश में हैं। एक किशोर या युवा जब अपने जीवन में पहचान, स्वीकृति और आत्मविश्वास खोज रहा होता है, तब डिजिटल संसार उसे तत्काल मंच देता है। वह कुछ सेकंड में प्रसिद्ध हो सकता है। वह अपने जीवन का ऐसा संस्करण दुनिया को दिखा सकता है जो वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग हो। वह अपने चेहरे, शरीर, जीवनशैली और निजी संबंधों को सार्वजनिक प्रदर्शन में बदल सकता है। धीरे-धीरे वास्तविक जीवन और डिजिटल जीवन के बीच का अंतर समाप्त होने लगता है। फिर वह जीता कम है, दिखाता अधिक है। खाता कम है, फोटो अधिक बनाता है। प्रेम कम करता है, संबंधों का प्रदर्शन अधिक करता है। पढ़ता कम है, प्रतिक्रिया अधिक देता है।

# हापुड़ जिले के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने की जनपदीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

## विगत बैठक में दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई, की संबंधित अधिकारियों से ली जानकारी प्रभारी मंत्री

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**हापुड़।** हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद हापुड़ के प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक जी की अध्यक्षता में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रभारी मंत्री जी के द्वारा जनपद में हो रहे विकास कार्यों को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की जो भी कार्य जनपद में किये जा रहे हैं उस कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जल निगम के अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में जो भी पेयजल योजनाएं संचालित है या जितने भी पेजल योजनाएं आपके द्वारा पूर्ण कर दी गई है उनका जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर निरीक्षण भी करा दिया जाए। जनपद में जो भी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है उसको जल्द से जल्द ठीक करा कर निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। प्रभारी मंत्री जी ने एक्शन जल निगम को निर्देश दिए की उनके द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं में जिन योजनाओं में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर दिया गया है वहां पर एक बार पुनः निरीक्षण करते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जो कार्य पूर्ण हुए हैं उसमें किसी प्रकार की कमी तो नहीं रह गई है। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद की सभी गौ शालाओं में वर्षा ऋतु से बचाव हेतु संसाधन, हरे चारे की उपलब्धता, भूसा तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। जनपद में जो भी नई गौशालाएं का कार्य निर्माण अधीन है उनकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधि को अवश्य दें। प्रभारी मंत्री के द्वारा समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए की वृद्धा पेंशन न मिलने से लोगों को परेशानी हो रही है। इस संबंध में समाज कल्याण अधिकारी द्वारा मान्य प्रभारी मंत्री जी को अवगत कराया गया कि वृद्धा पेंशन में पेंशनरों की केवाईसी व अन्य जानकारी अपडेट होने के कारण वृद्धा पेंशन रुकी हुई थी। मुख्यालय से इस संबंध में पत्राचार किया गया है आगामी माह अगस्त से वृद्धा पेंशन भेजने का कार्य शुरू हो जाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जनपद के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक चिकित्सालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जहां पर चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं है उसके लिए संविदा पर चिकित्सक रखने हेतु पत्राचार किया जाए। समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि जनपद में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए निरंतर कूड़ा कलेक्शन किया जाना सुनिश्चित करें। नालों की साफ सफाई निरंतर कराते रहे जिससे वर्षा ऋतु के कारण जल भराव की समस्या उत्पन्न न हो। प्रभारी मंत्री जी के द्वारा बैठक में अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिए गए की विद्युत की जो भी समस्या आ रही है उसका समय के अंतर्गत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्राली वाले ट्रांसफार्मर की उपलब्धता के लिए भी निर्देशित किया। विकास कार्य की बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री जी के द्वारा आगामी कावड़ यात्रा को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। कावड़ यात्रा के दृष्टिगत पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्य प्रणाली से अपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा प्रभारी मंत्री जी को अवगत कराया गया। उन्होंने कावड़ यात्रा के दौरान आने वाले कावड़ियों के मार्गों, मंदिर एवं कावड़ रास्तों में लगने वाले शिवरों की जानकारी इत्यादि से प्रभारी मंत्री जी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कावड़ का श्रावण मास 30 जुलाई से शुरू होगा। मुख्य पर्व 11 अगस्त 2026 को शिव मंदिर में जल अभिषेक किया जाएगा। इसके लिए समय से ही सभी मंदिरों के मार्गो का निरीक्षण कर लिया गया है। प्रभारी मंत्री जी के द्वारा कावड़ मार्गो में हो रहे गड्ढों को लेकर संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग में जो भी गड्ढे एवं जल भराव की स्थिति है उसे समय से ही ठीक कर दिया जाए। विद्युत विभाग के द्वारा कावड़ मार्गो में पडने वाले विद्युत पोलों पर टैपिंग की कार्रवाई कर दी जाए। साथ ही वन विभाग के द्वारा मार्गो पर पेड़ों की छटाई का कार्य भी पूर्ण कर दिया जाए। प्रभागीय वन अधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग के द्वारा कावड़ मार्ग पर पड़ने वाले पेड़ों की छटाई का कार्य किया जा रहा है जल्द ही पेड़ छटाई का कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा। बैठक में विधायक सदर, गढ़मुक्तेश्वर, धौलाना, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष भाजपा, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, परियोजना निदेशक, सांसद प्रतिनिधि लोकसभा क्षेत्र मेरठ, गाजियाबाद व अमरोहा, नगर पालिका परिषद हापुड़ अध्यक्ष, पिलखुवा, बाबूगढ़ नगर पंचायत, ब्लॉक प्रमुख हापुड़, धौलाना, सिंभावली सहित जनपद स्तरीय सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

# आबकारी विभाग के द्वारा अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के संबंध में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**हापुड़।** हापुड़ जनपद में उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के द्वारा दिए गए आदेश के तहत जिलाधिकारी, हापुड़ व संयुक्त आबकारी आयुक्त, मेरठ जोन व उप आबकारी आयुक्त मेरठ प्रभार मेरठ एवं जिला आबकारी अधिकारी हापुड़ के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के संबंध में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में आज आबकारी निरीक्षक क्षेत्र -1 मय स्टाफ व क्षेत्र-2 मय स्टाफ गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम चकलठीरा में दबिश दी गयी। दबिश के दौरान चकलठीरा के जंगल से लगभग 90 ली0 कच्ची शराब व 800 डॅ लहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही मदिरा के अवैध बिक्री के अन्य सम्भावित स्थलों व प्राप्त शिकायती स्थलों पर भी दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 के अन्तर्गत आने वाली दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं POS मशीन से100% सेल करने को कहा गया। आबकारी अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद कि किसी भी वाइन शॉप पर किसी भी दशा में ओवर रेट ना होने पाए। उन्होंने बताया कि जनपद में अवैध शराब को लेकर निरंतर अभियान चलाया जाएगा।

# स्कूल जा रही छात्रा को ट्रक ने कुचला, मौत के बाद सड़क जाम, चालक फरार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर।** त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बेलवा-दरियाबख्श गांव के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रही कक्षा नौ की छात्रा की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया, जबकि खलासी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव सड़क किनारे रखकर बैरिकेडिंग कर शाहपुर-सिंगारजोत मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया और ट्रक चालक व मालिक को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। जानकारी के अनुसार, बेलवा दरियाबख्श निवासी करिश्मा (16) पुत्री गौतम वरुण प्रतिदिन की तरह मंगलवार सुबह साइकिल से संत मौनी दास इंटर कॉलेज, विशुनपुर हरि पढ़ने जा रही थी। बिजौरा से डुमरियागंज की ओर जा रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर बिजौरा पुलिस चौकी और त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष हरिकृष्ण उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रक और उसके खलासी को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी। काफी समझाने-बुझाने और स्थानीय संभ्रांत लोगों के सहयोग से जाम समाप्त कराया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

# 1 अगस्त को औषधिय जड़ी बूटी पौधों का होगा विशाल वृक्ष भंडाराः प्रकाश चन्द

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**नूरपुर।** योग ऋषि स्वामी रामदेव के सहयोगी ,आयुर्वेद ऋषि आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन के अवसर पर जड़ी बूटी सप्ताह के अंतर्गत 1 अगस्त (शनिवार) 2026 को सांय 5:00 बजे से राज विलास पैलेस राजा का ताजपुर (बिजनौर) में औषधीय पौधों के विशाल वृक्ष भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

योगाचार्य प्रकाश चन्द ने बताया कि योग, यज्ञ ,आयुर्वेद, नेचुरोपैथी एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से जड़ी बूटी एवं वृक्ष भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को तुलसी, अर्जुन, अमरूद ,आंवला, नीम, गिलोय, बिल्व आदि सैकड़ो प्रकार के पौधों का निशुल्क वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वटवृक्ष, बेल ,तुलसी आदि वृक्ष प्रकृति की धरोहर ही नहीं बल्कि मानव जीवन के प्राण रक्षक हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण तथा आयुर्वेदिक औषधिय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक करना है, इस आध्यात्मिक आयोजन में सत्संग, यज्ञ , हवन, भजन, धर्म चर्चा, पेड़ पौधों की महिमा का गुणगान व सूक्ष्म व्यायाम कराया जाएगा। योगी जनों से भारतीय पारंपरिक वेशभूषा पहनकर आने का निवेदन किया है। उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद आदि की उचित व्यवस्था रहेगी।

# जन चौपाल में उमड़ा जनसैलाब, सामाजिक समरसता महारैली को लेकर कार्यकताओं में दिखा उत्साह

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**मुरादाबाद।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के जिलाध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि तथा 27 विधानसभा प्रभारी रवि चौधरी के नेतृत्व में थाना नागफनी क्षेत्र में ओसाम भाई के यहां, नदीम चाय वाले के सामने जन चौपाल एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों और पार्टी कार्यकताओं ने भाग लिया तथा स्थानीय समस्याओं और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए रवि चौधरी ने कहा कि सुभासपा समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर, शिक्षा, युवाओं को रोजगार तथा गरीब और वंचित वर्ग के सम्मान के लिए पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है।

उन्होंने लोगों से सामाजिक समरसता, भाईचारा और विकास की भावना को मजबूत करने की अपील की। बैठक में आगामी 31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली 'सामाजिक समरसता महारैली' की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। रवि चौधरी ने इसे सामाजिक एकता और पिछड़े, दलित, वंचित एवं सर्वसमाज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद करने का महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर महारैली को सफल बनाने का आह्वान किया।

जन चौपाल के दौरान क्षेत्रवासियों ने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वच्छता सहित अन्य जनसमस्याएं भी उठाईं। रवि चौधरी ने सभी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष दानिश कुरैशी, प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, महानगर प्रभारी अशोक सैनी, विधानसभा अध्यक्ष शानू कुरैशी, जिला मीडिया प्रभारी मोहित ठाकुर, फहाद, ओसाम, नदीम सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

# आईटीओ चौराहे पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तत्परता, सीपीआर देकर अधिवक्ता की बचाई जान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण सोमवार को आईटीओ चौराहे पर देखने को मिला। कमला मार्केट ट्रैफिक सर्किल के इंस्पेक्टर गोपाल और उनकी टीम ने समय रहते कार्रवाई कर एक अधिवक्ता की जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 11:55 बजे अधिवक्ता नमनीत अपनी बाइक से आईटीओ चौराहे से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ और भीषण गर्मी के कारण वह सड़क पर गिर पड़े। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर गोपाल और उनकी टीम तत्काल मौके पर पहुँची। उन्होंने बिना समय गंवाए अधिवक्ता का हेलमेट उतारा, सीपीआर (CPR) और प्राथमिक उपचार दिया। उस समय इलाके में भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण एम्बुलेंस के आने का इंतजार करने के बजाय पुलिस टीम ने उन्हें सरकारी वाहन से मात्र दो मिनट में लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उनका इलाज जारी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की लोगों ने सराहना की है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस केवल यातायात व्यवस्था संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की जान बचाने के लिए भी पूरी तत्परता से कार्य करती है।

# मचान विधि से सब्जी की खेती बढ़ा रही किसानों की आय

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**सिद्धार्थनगर।** जनपद के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ मचान विधि अपनाकर सब्जियों का अधिक उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में लोटन क्षेत्र सहित कई स्थानों पर किसान लौकी, तोरई, करेला, खीरा, सेम सहित अन्य बेलदार सब्जियों की खेती मचान पद्धति से कर रहे हैं। इस विधि में खेत में मजबूत खंभों, बांस और तारों की सहायता से जाल तैयार किया जाता है, जिस पर बेलें ऊपर की ओर बढ़ती हैं। इससे पौधों को पर्याप्त धूप और हवा मिलती है, रोगों का प्रकोप कम होता है तथा सब्जियां दाग-धब्बे रहित और अच्छी गुणवत्ता की प्राप्त होती हैं। साथ ही फसल की सिंचाई, देखभाल और तुड़ाई भी आसान हो जाती है। किसान सच्चिदानंद, श्रीमती निर्मला, ज्ञानदास और गोवर्धन ने बताया कि मचान विधि से फल जमीन से ऊपर रहते हैं, जिससे उनके सड़ने की संभावना कम हो जाती है और उत्पादन भी बढ़ता है। जिला उद्यान अधिकारी विमल कांत ने बताया कि किसानों को इस तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनपद में जलभराव वाली भूमि के लिए यह तकनीक बेहद लाभकारी है, जिससे सब्जियों की उपज में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि और किसानों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है।

# उ.प्र. लेखपाल संघ की जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुई अंजली त्यागी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**बिजनौर।** उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ बिजनौर की जिला कार्यकारिणी का अधिवेशन पूर्व निर्धारित एजेण्डा के अनुरूप तहसील सभागार नजीबाबाद में आयोजित किया गया। अधिवेशन में जिला कार्यकारिणी के गठन हेतु लोकतांत्रिक विधिवत से निर्वाचन की कार्यवाही की गई। प्रान्तीय पर्यवेक्षक भूपेन्द्र चौहान, निर्वाचन अधिकारी सतेन्द्र बालियान एवं सह निर्वाचन अधिकारी सियानन्द के निर्देशन में निर्वाचन प्रक्रिया शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुई। निर्वाचन प्रक्रिया में जिलेभर के लेखपालों ने प्रतिभाग किया। सर्वसम्मति से तहसील धामपुर में कार्यरत लेखपाल अंजली त्यागी को जिलाध्यक्ष , रविन्द्र कुमार शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रविन्द्र कुमार कनिष्ट उपाध्यक्ष, गौरव कुमार, जिला मंत्री, विरेन्द्र अवस्थी उप मंत्री, अनिल कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष एवं सुखवीर सिंह लेखा परीक्षक निर्वाचित घोषित किया गये। नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शुभ चिन्तकों एवं राजस्व कर्मियों ने नव निर्वाचित कार्यकारणी को बधाई देते हुए संघ एवं संवर्ग हित में कार्य करने की अपेक्षा की।

# गागलहेडी पुलिस कर रही है शिवभक्त कावड़ियों की सेवा

## बम बम के जयकारों से गूंजने लगा गागलहेडी भगवानपुर कावड़ मार्ग शिवभक्ति कावड़ियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है पूरा क्षेत्र हुआ भक्तिमय

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**गागलहेडी।** गागलहेडी थाना क्षेत्र स्थित उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड बॉर्डर पर स्थित अस्थायी कावड़ पुलिस चौकी में शिव भक्त कावड़ियों की गागलहेडी पुलिस ने की सेवा। हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर आ रहे शिवभक्त कांवड़ियों को गागलहेडी पुलिस ने सम्मान पूर्वक बैठकर पानी पिलाया। ओर सेवा भाव से उनको फल फ्रूट देकर चाय नाश्ता कराया यात्रा के दौरान विश्राम कर रहे कांवड़ियों की गागलहेडी पुलिसकर्मियों ने देखभाल भी की और उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। कांवड़ियों ने पुलिस के इस मानवीय व्यवहार की सराहना करते हुए गागलहेडी पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वरिष्ठ उप निरीक्षक अतुल कुमार व गागलहेडी काली नदी पुलिस चौकी प्रभारी अजय कसाना व उपनिरीक्षक रामवीर सिंह शाक्य व उप निरीक्षक जगबीर सिंह सिंह व हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार व हेड कांस्टेबल आशीष तोमर सतीश कुमार आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

# नेपाल सीमा पर 21 जोड़ी पायल के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

**मोहाना/सिद्धार्थनगर।** थाना मोहाना पुलिस एवं एसएसबी ककरहवा की संयुक्त टीम ने सोमवार को भारत-नेपाल सीमा पर कार्रवाई करते हुए 21 जोड़ी सफेद धातु की पायल, एक साइकिल और एक भारतीय अभियुक्त को पकड़ लिया। बरामद पायल का कुल वजन 651 ग्राम बताया गया है। थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में थाना मोहाना पुलिस और एसएसबी ककरहवा द्वारा सीमा स्तंभ संख्या 543/01 के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई, जिसके पास से 21 जोड़ी सफेद धातु की पायल और एक साइकिल बरामद हुई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान परशुराम गुप्ता (59) पुत्र तीरथ गुप्ता, निवासी सलहन्तपुर, थाना मोहाना, जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। बरामद सामान एवं अभियुक्त के विरुद्ध कस्टम अधिनियम की धारा-11 के तहत आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामले को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया गया। कार्रवाई में चौकी प्रभारी ककरहवा उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल आत्मानंद यादव, कांस्टेबल अनुराग तिवारी तथा एसएसबी के उपनिरीक्षक हमीर सिंह सहित अन्य जवान शामिल रहे।

# विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार विकसित उत्तराखण्ड की आधारशिला हैं: धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** पायनियर समाचार पत्र समूह एवं यूकॉस्ट के तत्वावधान में आईआरडीटी सभागार में आयोजित 'मेनस्ट्रीमिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन फॉर ए प्रोस्प्रस उत्तराखंड' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार विकसित उत्तराखण्ड की आधारशिला हैं। राज्य सरकार उत्तराखण्ड को अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकी विकास का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विज्ञान को प्रयोगशालाओं और पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय आमजन के जीवन से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व की प्रगति प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की क्षमता से निर्धारित हो रही है। उन्होंने कहा कि एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन और सेमीकंडक्टर जैसी आधुनिक तकनीकें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यटन और आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं। इन क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, नेशनल क्वांटम मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन जैसे अभियान भारत को वैश्विक तकनीकी शक्ति बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखण्ड की पहली विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनाना है। उन्होंने कहा कि देहरादून में देश की पांचवीं साइंस सिटी का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, जो उत्तराखण्ड को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर के स्कूली विद्यार्थियों का नियमित रूप से साइंस सिटी भ्रमण कराया जाए, ताकि उनमें विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में साइंस एंड इनोवेशन सेंटर, लैब्स ऑन व्हील्स, जीआईएस आधारित डैशबोर्ड, डिजिटल लाइब्रेरी, पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर तथा स्टेम लैब्स जैसी आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, प्री-इन्क्यूबेशन लैब्स तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में वैश्विक स्तर के अवसर उपलब्ध हो सकें।

# मुड़िया पूर्णिमा मेले में परिक्रमार्थियों की सेवा में जुटा श्री यदुनाथ गृहम, पांच दिवसीय निशुल्क सेवा शिविर का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/गोवर्धन।** राजकीय गुरु पूर्णिमा मेले में लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा के उद्देश्य से जतीपुरा परिक्रमा मार्ग स्थित श्री यदुनाथ गृहम के मुख्य द्वार पर 25 से 29 जुलाई तक पांच दिवसीय निशुल्क सेवा शिविर का संचालन किया जा रहा है। सार्वजनिक सेवा संस्थान एवं श्री यदुनाथ गृहम धार्मिक न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में परिक्रमार्थियों को विभिन्न आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल प्याऊ, स्वल्पाहार, चिकित्सा शिविर, निशुल्क भोजन प्रसाद तथा विश्राम की विशेष व्यवस्था की गई है। दिन-रात चल रही इस सेवा का लाभ बड़ी संख्या में गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु उठा रहे हैं। सेवा कार्यों में संस्थान के पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। श्री यदुनाथ गृहम के दीक्षित अधिकारी एवं सार्वजनिक सेवा संस्थान के सचिव डॉ. विनोद दीक्षित ने बताया कि गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान आने वाले प्रत्येक परिक्रमार्थी को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है और इसी भावना के साथ यह सेवा शिविर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह समस्त सेवा कार्य श्री यदुनाथ गृहम धार्मिक न्यास के अध्यक्ष षष्ठ पीठाधीश्वर श्री वल्लभराय जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से निरंतर संचालित हो रहे हैं। संस्थान ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इन सेवाओं का लाभ उठाने एवं मेले को सफल एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

# गोवर्धन के रामकिशन सांवरिया सेवा सदन में गुरु पूर्णिमा पर महोत्सव का आयोजन कल

**मथुरा/गोवर्धन(वेलकम इंडिया)।** सात दिवसीय गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान गिरिराज जी के अनेक भक्त तथा संस्थाएं विभिन्न तरीकों से दान-पुण्य में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में रामकिशन सांवरिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सोमवार को भंडारा आयोजित कर हजारों श्रद्धालुओं को कचौड़ी सब्जी तथा जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई बुधवार को सौंख रोड पर वंशीवट अपना घर आश्रम के नजदीक स्थित रामकिशन सांवरिया सेवा सदन प्रांगण में सुबह से शाम तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान पंडित रामकिशन महाराज के सानिध्य में भजन संकीर्तन तथा विशाल भंडारा एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए रामकिशन सांवरिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव डॉ. विष्णु दत्त शास्त्री ने बताया कि गोवर्धन में चल रहे पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान ट्रस्ट द्वारा प्रतिदिन अनेक श्रद्धालुओं को प्रसाद तो वितरित किया ही जा रहा है बल्कि बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रामकिशन सांवरिया सेवा सदन प्रांगण में सुबह से शाम तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें वृंदावन निवासी श्यामानंद महाराज अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी से गिरिराज जी की महिमा का बखान करेंगे। यह जानकारी देते हुए शास्त्री ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान बुधवार को सुबह 8 :00 बजे पूजा अर्चना तथा 9 :00 बजे भजन संकीर्तन व सुबह 11 :00 बजे गुरु वंदना एवं पूजन दोपहर 12 :00 बजे विशाल भंडारा एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें गोवर्धन-मथुरा-वृंदावन सहित मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, पंजाब आदि विभिन्न राज्यों के अनेक श्रद्धालु कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

# राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026: गोवर्धन में मुड़िया संतों ने कराया मुंडन, 469 साल पुरानी पंरपरा का किया निर्वहन

## 29 जुलाई को निकाली जाएंगी मुड़िया शोभायात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/गोवर्धन।** राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला में 29 जुलाई को निकाली जाने वाली दो मुड़िया शोभायात्रा से पूर्व मुड़िया संतों ने सोमवार को सामुहिक मुंडन कराया। मुड़िया संत गिरिराज जी की भक्ति के परम उपासक गौड़ीय आचार्य श्रीपाद सनातन गोस्वामी जी की याद में सिर का मुंडन कराकर शोभायात्रा निकालते हैं। 469 साल पुरानी परंपरा में मानसी गंगा तट स्थित श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु मंदिर में मुड़िया संत महंत गोपाल दास महाराज के निर्देशन में संतों ने मुंडन कराया। मुंडन परंपरा में श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज भी संतों के साथ शामिल हुए। पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज ने बताया कि 29 जुलाई को महाप्रभु जी मंदिर से निकाली जाने वाली शोभायात्रा में श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के निशान चिन्ह आएंगे। सोमवार की सांय मुड़िया पूर्णिमा उत्सव के शुभारंभ में मंगल कलश घट स्थापन व अधिवास कीर्तन किया गया। मुड़िया संत महंत गोपाल दास ने बताया कि मुड़िया उत्सव की परंपरा में अधिवास कीर्तन के बाद मंगलवार को 24 घंटे का अखंडनाम कीर्तन किया जाएगा। 29 जुलाई बुधवार को 11 बजे सूचक कीर्तन, दधि मंगल के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सांय 4 बजे सनातन गोस्वामी जी के डोले के साथ मुड़िया शोभायात्रा चकलेश्वर स्थित भजन कुटीर से शुरू होकर दसविसा, प्राचीन हरिदेव जी मंदिर, सौंख अड्डा, दानघाटी मंदिर, बड़ा बाजार लक्ष्मीनारायण मंदिर, मोदी खाना, हाथी दरवाजा होकर निकाली जाएगी। वहीं दूसरी ओर चकलेश्वर के राधा-श्याम सुंदर मंदिर में मुड़िया संत रामकृष्ण दास महाराज के निर्देशन में मुड़िया संतों ने मुंडन कराया। यहां नौ दिवसीय कार्यक्रमों में भक्ति की धारा बह रही है। संत रामकृष्ण दास महाराज ने बताया कि 29 जुलाई को सुबह 9 बजे से मुड़िया शोभायात्रा निकाली जाएगी। उप जिला मजिस्ट्रेट सह मेला अधिकारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि दोनों मुड़िया शोभायात्रा की तैयारी कर ली है। पुलिस व प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा।

# गोवर्धन में उमड़ रहा है श्रद्धालुओं का जनसैलाब, पांच दिनों में लाखों भक्त पहुंचे गिरिराज धाम

**मथुरा/गोवर्धन(वेलकम इंडिया)।** गिरिराज धाम में मन में भक्ति और श्रद्धा का भाव लिए लाखों परिक्रमार्थी श्रद्धालुओं का सैलाब थम नहीं रहा है। 23 जुलाई से शुरू हुए मेला में पांच दिन से लगातार भक्त गिरिराज जी की परिक्रमा कर लौट चुके हैं। मन में बस एक ही कामना है कि गिरिराज जी की सप्तकोसीय परिक्रमा पूरी हो जाए। भक्तों का जत्था दूर-दूर तक दिखाई दे रहा है। अब तक लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगा चुके हैं। राधे-राधे के उद्घोषों के बीच मुड़िया मेला का सिलसिला जनमानस के बीच एक मानव श्रृंखला के रूप में बन गया है। प्रमुख मंदिरों में होने वाले धार्मिक कार्यक्रम एवं सेवाभावी भक्तों के भंडारे व प्याऊ इस मेला के आकर्षण हैं। मेला में प्रशासनिक व्यवस्थाओं में साउंड सिस्टम के साथ गिरिराज जी की महिमा का गुणगान भक्त चलते-चलते सुन रहे हैं। जहां मंदिर जिस नाम का आता है, उस जगह पर स्वत: ही जयकारे गूंज उठते हैं। भक्त अपनी परिक्रमा की शुरूआत दानघाटी मंदिर से करते हैं तो गिरिराज महाराज के जयकारे लगाते हैं और जब आन्यौर होकर पूंछरी पहुंचते हैं तो पूंछरी के लौठा की जय, जतीपुरा पहुंचते ही गिरिराज महाराज की जय, राधाकुंड पहुंचते ही राधारानी की जय और अंतिम पड़ाव मानसी गंगा पर तो भक्त अपनी परिक्रमा करने के बाद स्नान कर पूजा अर्चना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के मन में मानसी गंगा में डुबकी न लगाने का मलाल हो रहा है। श्रद्धालु फुव्वारों के नीचे कम संख्या में ही स्नान कर पा रहे हैं। मुड़िया मेला में कई कुंडों के बेरिकेट हो जाने से डुबकी नहीं लग पाती है। गोवर्धन में राधाकुंड-श्यामकुंड, गोविंद कुण्ड, कुसुम सरोवर आदि में स्नान नहीं हो पाता है।

# मौलवी अमीर अली शहीद र अ का सालाना उर्स नौ अगस्त से

## सपा के पूर्व विधायक चादर चढ़ा करेंगे आरंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

**शुजागंज अयोध्या।** कोतवाली रूदौली क्षेत्र के रहीम गंज, हलीम नगर में मौलवी अमीर अली शहीद रहमतुल्लाह अलैह का प्रसिद्ध सालाना उर्स ( मेला ) का आरम्भ नौ अगस्त से हो रहा है जिसमें दर्जनों जनपदों से श्रद्धालु मौलवी साहब के आस्ताने पर आते हैं,जिसकी तैयारी जोरो पर चल रही है। जानकारी के अनुसार कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत रहीमगंज, नई सरायें मजरे हलीम नगर में मौलवी अमीर अली शहीद र अ का प्रसिद्ध सालाना उर्स (मेला) का आरम्भ नौ अगस्त से हो रहा है तथा ग्यारह अगस्त को मेले का समापन हो जाएगा। इस उर्स (मेला) में लखनऊ, अयोध्या, सुल्तानपुर,अमेठी, सीतापुर, बहराइच लखीमपुर,खीरी सहित दर्जनों जनपदों से श्रद्धालुगण (जायरीन) मौलवी साहब के आस्ताने पर आते हैं। इसमें बच्चों के मनोरंजन हेतु झूला,सर्कस, खिलौने की दुकान भी लगाया जाता है। इसकी जानकारी मेला प्रबंधक समीर खान सांभा ने दी है उन्होंने बताया कि नौ अगस्त को चिरागदान, जिसका आरम्भ समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री पूर्व विधायक सैयद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां मौलवी साहब की दरगाह पर चादर चढ़ा कर करेंगे,तथा 10, अगस्त को गागर, एवं 11 अगस्त को कुल शरीफ के पश्चात मेले का समापन होगा। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए फ्री चिकित्सा सेवा, फ्री पेयजल की सुविधा दुकान दारों के लिए निशुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी।

# कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था, हल्द्वानी के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व सदस्य मनीषा आर्या के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीदों को हल्द्वानी-नैनीताल रोड़ स्थित शहीद चंद्रशेखर मिश्रा पार्क में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गयी। संस्था उपाध्यक्ष लोकेश कुमार साहू सचिव नन्दकिशोर आर्या ने इस दिवस को महत्वपूर्ण बताते हुए विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में संस्था सचिव नन्दकिशोर आर्या, कोषाध्यक्ष बलराम हालदार, मार्गदर्शिका पूर्णिमा रजवार, अलका टंडन, मनीषा आर्या, मीना जोशी, मनीष साहू, प्रशांत अग्रहरि, नीम गोस्वामी, आशा दरम्वाल, महेश साहू, हर्षित आर्या, विनीत टंडन, सोनू साहू, मीरा श्रोत्रिय, जानकी कश्यप, नन्दकिशोर आर्या, गिरीश चन्द लोहानी, प्रयाग दत्त जोशी, हरीश आर्या, संदीप यादव, रजत, दिवाकर, सूरज मिस्त्री, सुशील राय, अरविंद कुमार, अमित गोस्वामी, कुमार सूरज, कुम्हार मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

# जिलाधिकारी ने ली एनकॉर्ड की बैठक: नशा विरोधी अभियान में तेजी लाने के निर्देश

## अवैध तस्करी पर पुलिस और आबकारी विभाग करे कड़ी कार्रवाई: डीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बागेश्वर।** जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में एनकॉर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में मादक पदार्थों की निगरानी, भांग एवं अन्य नशीले पदार्थों की अवैध खेती की रोकथाम तथा मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनपद को नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज की दिशा में प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुलिस एवं आबकारी विभाग को नियमित रूप से संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाकर शराब की अवैध तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही अन्य संबंधित विभागों को मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए अवैध खेती एवं तस्करी पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, नशामुक्ति हेतु विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं ग्राम स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने को कहा।

उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को 250 से अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में खेल सुविधाओं के विकास हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने बताया कि जून माह में एनडीपीएस एक्ट के तहत छः अभियोग पंजीकृत किए गए, जिनमें 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा 12.75 ग्राम बरामद की गई। आबकारी अधिनियम के तहत चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कोटपा (धूम्रपान निषेध) अधिनियम के अंतर्गत 35 व्यक्तियों के चालान किए गए।

# मुड़िया पूर्णिमा मेला इस्कॉन ने लिया एक लाख श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/गोवर्धन।** राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला में श्रीकृष्ण बलराम मंदिर इस्कॉन वृंदावन के तत्वावधान लगाए सेवा शिविर में परिक्रमार्थी श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जा रही है। इस्कॉन संस्था की ओर से एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं को प्रसाद खिलाने का लक्ष्य तय किया है। सोमवार को गौरधाम विद्यालय परिसर में श्रीकृष्ण-बलराम ठाकुर जी का श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाए गए। सैकड़ों की संख्या में इस्कॉन भक्त परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करने आए हैं। इस्कॉन के विष्णुनाम दास ने बताया कि पूज्य सनातन गोस्वामी जी की याद में मुड़िया पूर्णिमा पर्व मनाया जाता है। वे स्वयं रोज गिरिराज जी की परिक्रमा लगाते थे। इसी उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दो एकड़ जगह में पांडाल लगाया है। इस्कॉन के अनुयायी राखल राजा ने बताया कि श्रद्धालुओं के प्रसादी वितरण के साथ विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। तीर्थेश्वरी राधिका दासी ने बताया कि गिरिराज ठाकुर के सभी भक्तों को सेवा करने का अवसर मिला है। गिरिराज जी की परिक्रमा सात से आठ घंटे में पूरी होती है। इस दौरान श्रद्धालुओं को भूख-प्यास व थकान रहती है, इस्कॉन ने सेवा के लिए शिविर लगाया है। ठंडे शीतल, पेयजल आदि की व्यवस्था की है। परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी के लिए थाली के द्वारा प्रसाद खिलाया जा रहा है। इस्कॉन की ओर से मुड़िया मेला में आने वाले देशी व विदेशी भक्तों को श्रीमद्भागवत गीता निःशुल्क वितरित की जा रही है। श्रीमद्भागवत गीता का अनुसरण कर अपनी जीवन में उतारें और भक्ति भाव से जुड़ सकें। ब्रजवासियों के बीच में आकर सेवा करना पुण्य की बात हैं।

# मण्डल आयुक्त ने किया मयूर संरक्षण केंद्र, मथुरा-वृंदावन का स्थलीय निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा।** सोमवार को मण्डल आयुक्त नगेंद्र प्रताप ने मयूर संरक्षण केंद्र, मथुरा-वृंदावन का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महोदय ने परिसर में बने गेस्ट हाउस, इंटरप्रिटेशन सेंटर हॉल, रेस्क्यू सेंटर, वॉटर बॉडी आदि का निरीक्षण किया। जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया और निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में सुधार किया जाये। वॉक वे का सुदृढ़ीकरण किया जाए तथा वॉक वे किनारे लगाये गए पौधों का अच्छी तरह प्रूनिंग की जाए। वॉटर बॉडी को आकर्षित बनाए जाने हेतु फाउंटेन बनाए जाने के निर्देश दिए। मण्डल आयुक्त महोदय ने मयूर रेस्क्यू केंद्र का भी जायजा लिया जहां रेस्क्यू किए गए तीन मोरनी का पशु चिकित्सक की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। अवगत कराया कि बिजली के करंट और जंगली जानवरों द्वारा ये मोरनी घायल हुई हैं। आयुक्त महोदय ने रेस्क्यू किए जाने वाले मोर - मोरनी की निगरानी में रख उचित देखभाल किए जाने के निर्देश दिए।

# डायट पर त्रैमासिक संकुल शिक्षक समीक्षा बैठक सम्पन्न

## कैसे बने निपुण विद्यालय की गई चर्चा, निपुण ऐप पर नियमित हो आंकलन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पर त्रैमासिक संकुल शिक्षकों की समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित की गई ।ये बैठक दो सत्र में आयोजित की गई ।पहले सत्र में खलीलाबाद ,बघौली और दूसरे सत्र में सेमरियावां और हैंसर के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

इस बैठक में विद्यालयों को निपुण बनाने,शिक्षक संदर्शिका का नियमित प्रयोग कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को भाषा ,गणित,पर्यावरण एवं अंग्रेजी में निपुण लक्ष्य हासिल करने हेतु विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेंद्र सिंह ,अभीष्टदेव पाण्डेय,स्टेट रिसोर्स पर्सन भास्कर प्रताप त्रिपाठी ,संजय द्विवेदी,अशोक चौधरी ने स्कूल रेडिनेस ,शिक्षण गतिविधि,स्कूल में दस टूल्स के प्रयोग सहित कैचअप और पठन संस्कृति पर विस्तार से चर्चा की गई।

विद्यालय में समाचारपत्र खुद पढ़ने और छात्रों को को भी अखबार पढ़ने हेतु विद्यालय स्तर पर प्रेरित करें।विद्यालय स्तर पर किताब पढ़ने के शौकीन बच्चों को सुपर 20,सुपर 30 और चैंपियन के चुनाव करने की भी जानकारी प्रदान की गई ।निपुण ऐप पर बच्चों के नियमित आंकलन पर जोर दिया गया ।भाषा एवं गणित दक्षता को बढ़ाने हेतु तरीके सिखाए गए समीक्षा बैठक में जफीर अली करखी,आशीष कुमार गौतम,सुहेल अहमद,हिमांशु पांडेय, अब्दुर्रहीम, सुधीर श्रीवास्तव,शोएब अख्तर, मुख्तार आलम,विनोद यादव,राम निवास, उर्मिला सिंह,जर्रार अहमद, शमीम अहमद,मुकेश कुमार, बलकेश आदि मौजूद रहे। पांच ब्लॉक की बैठक आज मंगलवार को पांच ब्लॉक के संकुल शिक्षक की बैठक डायट पर होगी। नाथनाग,पॉली,बेलहर सांथा और मेंहदावल की दस बजे से दो बजे तक होगी।

# भभीसा के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में निकला काला नाग, वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

वेलकम इंडिया संवाददाता

**कांधला।** थाना क्षेत्र के गांव भभीसा स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कार्यालय परिसर में अचानक एक काला नाग निकल आया। सांप को देखते ही कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया ।कार्यालय में तैनात कर्मचारी अंकित कुमार ने सूचना वन विभाग को दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम के सदस्य जोगिंदर ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर काले नाग को सुरक्षित

तरीके से पकड़ लिया। इसके बाद सांप को एक सुरक्षित कंटेनर में रखकर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया ।अंकित कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले भी कार्यालय परिसर में एक अन्य सांप दिखाई दिया था, जिसे उस समय वहां से भगा दिया गया था।

उनका कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ गई हैं।इसे देखते हुए कार्यालय के सभी कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गनीमत रही कि किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। वन विभाग की टीम की तत्परता से किए गए सफल रेस्क्यू के बाद कार्यालय में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और टीम का आभार व्यक्त किया।

# महमूद खान लगातार तीसरी बार निर्विरोध प्रबंधक चुने गए

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** किसान इंटर कालेज पचपोखरी की प्रबंध समिति का चुनाव विभागीय विभागीय पर्यवेक्षक हरिनंदन यादव की देखरेख में संपन्न हुआ। बैठक में महमूद खान को लगातार तीसरी बार निर्विरोध प्रबंधक चुना गया। बैठक में सर्वसम्मति से महमूद खान- प्रबंधक, शब्बीर अहमद - अध्यक्ष, अखलाक अहमद- उपाध्यक्ष, उस्मान खान- मंत्री, अजमल हुसैन - संयुक्त मंत्री चुने गये। प्रबंधक महमूद खान ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरी ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि आप सबके विश्वास, स्नेह और एकजुटता का अमूल्य प्रमाण है। इंशाअल्लाह, मैं पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और समर्पण के साथ संस्था की तरक़्की, शिक्षा की बेहतरी और आप सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करता रहूँगा। बैठक में शब्बीर अहमद खान, उस्मान खान, अब्दुल कय्यूम खान (प्रधान पचपोखरी), अखलाक अहमद (प्रधान आंटा कला), डॉ. जहीरुद्दीन, अजमल हुसैन खान, जनाब हाजी अब्दुल कय्यूम (आंटा कला), हाजी अब्दुल करीम खान, हाजी कलीमुल्लाह, जाबिर अली खान, औरंगजेब खान, अब्दुल हकीम खान, हाजी कमालुद्दीन खान, अब्दुल्लाह खान, शाहिद खान, हाजी अब्दुल हमीद अंसारी, अब्दुल हफीज खान, हामिद हुसैन खान, इनआमुद्दीन खान, अब्दुल कलाम खान आदि मौजूद रहे।

# बबरौआ गांव में घुसी नीलगाय की दीवार से टकराकर मौत, वन विभाग ने शुरू की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम बबरौआ में सोमवार को उस समय ग्रामीणों में हलचल मच गई, जब एक नीलगाय अचानक गांव के आबादी क्षेत्र में आ गई। ग्रामीणों ने नीलगाय को सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान घबराकर तेज गति से भाग रही नीलगाय पक्की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नीलगाय गंभीर रूप से घायल हो गई और कुछ ही देर बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आसपास मौजूद ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। नीलगाय के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने के बाद वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर

आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। शव के परीक्षण की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, ताकि नीलगाय की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके। ग्रामीणों के मुताबिक, नीलगाय अचानक गांव में पहुंच गई थी। उसे किसी तरह सुरक्षित रूप से आबादी क्षेत्र से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था।इसी दौरान लोगों की आवाजाही और हलचल से नीलगाय घबरा गई और तेजी से भागने लगी। भागते समय वह गांव में स्थित एक पक्की दीवार से टकरा गई। गंभीर चोट लगने के कारण उसने कुछ ही समय में दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने वन्यजीव की मौत पर चिंता जताते हुए वन विभाग को सूचना दी। खुटार रेंजर दिनेश बडोला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में नीलगाय की मौत दीवार से टकराने के कारण होना प्रतीत हो रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि आवश्यक जांच और परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। वन विभाग द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क दुर्घटना में चार व्यक्तियों की मृत्यु की सूचना पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा घटनास्थल का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** सोमवार को थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्रांतर्गत कुर्थिया के समीप गोरखपुर से बस्ती की ओर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उक्त दुर्घटना में चार व्यक्तियों की दुःखद मृत्यु हो गई ।घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना तत्काल घटनास्थल पर पहुँचे तथा दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। दोनों अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई नियमानुसार कराई जा रही है। मौके पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस द्वारा प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# मन की बात कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन पर कांधला मंडल तीसरे स्थान पर, डॉ. रश्मिकांत जैन सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

**कांधला।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात' के सफल आयोजन के आधार पर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में जिले के विभिन्न मंडलों की रैंकिंग घोषित की गई। बेहतर प्रदर्शन के लिए कांधला मंडल को जनपद में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।इस उपलब्धि पर मंडल अध्यक्ष डॉ. रश्मिकांत जैन को सम्मानित किया गया ।सम्मान समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप ने की। घोषित रैंकिंग के अनुसार जलालाबाद, ऊन और झिंझाना मंडल संयुक्त रूप से प्रथम, गढ़ी पुख्ता मंडल द्वितीय तथा कांधला मंडल तृतीय स्थान पर रहा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंडलों एवं पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष ने पटका पहनाकर सम्मानित किया ।कांधला

मंडल को तीसरा स्थान दिलाने में मंडल उपाध्यक्ष प्रतिभा उर्फ सिमरन, दीपक गुप्ता और अनिल बोहरा की सक्रिय भूमिका और संगठनात्मक मेहनत को भी सराहा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप ने कहा कि संगठन की सफलता कार्यकताओं की निष्ठा, समर्पण और निरंतर सक्रियता का परिणाम होती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को बधाई देते हुए आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को भी पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अन्य भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गंगेरू मारपीट कांड: जानलेवा हमले के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

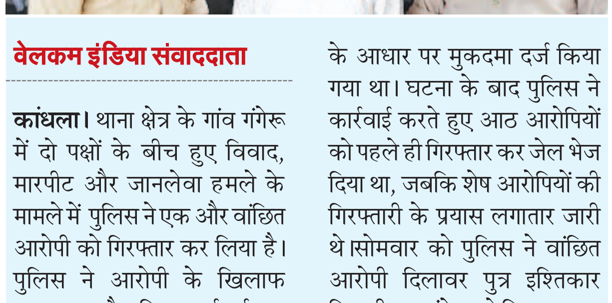

वेलकम इंडिया संवाददाता

**कांधला।** थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में दो पक्षों के बीच हुए विवाद, मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है ।पुलिस के अनुसार विग 27 जून को गांव गंगेरू में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट और एक-दूसरे पर जानलेवा हमला हुआ था। मामले में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी थे ।सोमवार को पुलिस ने वांछित आरोपी दिलावर पुत्र इश्तिकार निवासी ग्राम गंगेरू को गिरफ्तार कर लिया। और कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और उन्हें शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# ट्यूशन जा रही छात्रा पर बंदर का हमला, सिर में चोट; एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

**कांधला।** थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में ट्यूशन पढ़ने जा रही चौथी कक्षा की एक छात्रा पर बंदर ने हमला कर दिया। हमले में छात्रा के सिर में चोट लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने डंडों की मदद से बंदर को भगाकर छात्रा को बचाया और घ सूचना परिजनों को दी।परिजन घायल छात्रा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के साथ एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई।सोमवार को थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी फुरकान ने बताया कि उनकी पुत्री सबा गांव के ही एक विद्यालय में चौथी कक्षा की छात्रा है। सोमवार सुबह वह कोचिंग सेंटर पर पढ़ने के लिए जा रही थी।इसी दौरान रास्ते में अचानक एक बंदर ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई।

छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डंडों की मदद से बंदर को भगाकर उसे बचाया ।सूचना मिलने पर परिजन छात्रा को नगर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया और वायरस संक्रमण से बचाव के लिए एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई ।सरकारी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विरेन्द्र सिंह ने बताया कि छात्रा की हालत सामान्य है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया है। साथ ही लोगों को आवारा जानवरों से सतर्क रहने और बच्चों को अकेले सुनसान रास्तों से न भेजने की सलाह दी गई है।

# कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं अनाधिकृत अनुपस्थिति पर पुलिस अधीक्षक की बड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने पुलिस विभाग में अनुशासन एवं कार्य संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं अनाधिकृत रूप से लंबे समय तक अनुपस्थित रहने वाले तीन पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

## निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों का विवरण निम्नवत है-

**आरक्षी स0पु0 पन्नेलाल**

दिनांक 10.05.2026 से 07 दिवस के आकस्मिक अवकाश पर जाने के उपरांत अवकाश समाप्त होने के बावजूद बिना किसी वैध कारण एवं बिना अनुमति अपने कर्तव्य पर उपस्थित नहीं हुए तथा लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे।

**रिक्रूट आरक्षी दिव्यम मिश्रा**

दिनांक 09.08.2025 से 02 दिवस के आकस्मिक अवकाश पर प्रस्थान करने के उपरांत अवकाश समाप्त होने के बाद भी ड्यूटी पर उपस्थित न होकर अनाधिकृत रूप से निरंतर अनुपस्थित रहे।

**रिक्रूट आरक्षी अभिषेक सिंह चौहान**

दिनांक 19.10.2025 से बिना किसी प्रकार की स्वीकृत छुट्टी एवं बिना पूर्व अनुमति के लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे, जो कर्मचारी आचरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त तीनों पुलिसकर्मियों का आचरण उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली के प्रतिकूल पाए जाने पर उत्तर प्रदेश के अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की दण्ड एवं अपील नियमावली, 1991 के नियम-17(1)(क) के अंतर्गत विभागीय कार्यवाही संस्थित करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में तीनों पुलिसकर्मियों का सम्बद्धीकरण पुलिस लाइन, जनपद संतकबीरनगर में रहेगा तथा उन्हें निर्देशित किया गया है कि सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

# बचपन छीनती मजबूरी: आखिर क्यों बिहार के कम उम्र के बच्चे दिल्ली के कारखानों तक पहुंच रहे हैं?

वेलकम इंडिया संवाददाता

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी दिल्ली के कई छोटे-बड़े कारखानों, वर्कशॉपों और असंगठित उद्योगों में बिहार से आए कम उम्र के बच्चे काम करते हुए दिखाई देते हैं।जिस उम्र में उनके हाथों में किताबें और कॉपियां होनी चाहिए, उस उम्र में कई बच्चे मशीनों, औजारों और कठिन मेहनत के बीच अपना बचपन बिताने को मजबूर हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे कई कारण हैं। बिहार के अनेक गरीब परिवार आर्थिक तंगी, बेरोजगारी और सीमित आय के कारण अपने बच्चों को कम उम्र में ही काम पर भेजने के लिए विवश हो जाते हैं।कुछ मामलों में बिचौलिये बेहतर रोजगार या अच्छी कमाई का लालच देकर बच्चों को शहरों तक ले आते हैं।

दिल्ली पहुंचने के बाद ये बच्चे अक्सर छोटे कारखानों, सिलाई इकाइयों, पैकिंग, धातु कार्य, प्लास्टिक

उद्योग, होटल-ढाबों या अन्य असंगठित क्षेत्रों में लंबे समय तक काम करते हैं। कई बार उन्हें कम मजदूरी, असुरक्षित कार्यस्थल और शिक्षा से दूर रहने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बाल अधिकार कार्यकताओं का कहना है कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। भारत में बाल श्रम को लेकर कानून मौजूद हैं और सरकार समय-समय पर बचाव एवं पुनर्वास अभियान भी चलाती है।इसके बावजूद गरीबी, जागरूकता की कमी और कानूनों के कमजोर पालन जैसी चुनौतियां इस समस्या को पूरी तरह समाप्त नहीं होने देतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का समाधान केवल कार्रवाई से नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को रोजगार, बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और प्रभावी निगरानी व्यवस्था से संभव है। जब तक परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होगी, तब तक कई बच्चों का बचपन मजदूरी की भेंट चढ़ता रहेगा।

बिहार से दिल्ली तक काम की तलाश में आने वाले इन बच्चों की कहानी केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि उस सामाजिक और आर्थिक चुनौती की कहानी है, जिस पर सरकार, समाज और उद्योग–सभी को मिलकर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। दिल्ली में कई ऐसे जगह है जहां बड़ी तादाद में बैग कारखाने में छोटे बच्चों को लाकर काम कराया जाता है,

नबी करीम, पहाड़गंज, सोनिया विहार, ओखला,नरेला, करोलबाग, ऐसे कई जगहों पर बच्चों को कारखाने में हर दिन तादाद बढ़ता जाता है।

# कुर्थिया चौराहे पर तेज रफ्तार का कहर ट्रक ने परिवार के चार लोगों को रौंदा, चारो की मौत

**संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)।** गोरखपुर–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–27) पर सोमवार सुबह 6 बजे खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के कुर्थिया चौराहे के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। भीषण गर्मी के चलते घर के बाहर चारपाई पर बैठे लालजी (62), उनकी पत्नी ज्ञानमती (60) तथा उनके दो नाती आदर्श (12) और सत्यम (6) को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने से ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। हादसे के बाद ट्रक गड्ढे में जा फंसा। सूचना पर एएसपी, सीओ, कोतवाल, ट्रैफिक इंस्पेक्टर व कांटे चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक के नीचे फंसे शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

# छाता उड़कर दूसरे के खेत में चले जाने की बात को लेकर मारपीट, मुकदमा दर्ज

**संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)।** दुधारा थाना क्षेत्र के मीरापुर में छाता उड़कर दूसरे के खेत में चले जाने की बात को लेकर मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर पर मुकामी पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना दुधारा क्षेत्र के मीरापुर निवासिनी दुर्गावती देवी पत्नी राम उग्रह ने मुकामी पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि वह अपनी लड़की नेहा व साधना के साथ दिनांक 26 जुलाई की शाम 4 बजे खेत में निकाई कर रही थी मेरा छाता उड़कर मेरे पट्टीदार सतानंद पुत्र बहादुर, गुजराती देवी पत्नी सतानंद, अभिशेष पुत्र सतानंद के खेत में चला गया। इसी बात को लेकर उक्त लोगो ने मुझे, मेरी दोनों लड़कियों को गन्दी गंदी गाली देने लगे। गाली देने से मना करने पर मारने पीटने लगे। शोर सुनकर पहुंचे मेरे लड़के राम आशीष को भी मारपीट दिये। जिससे चारों को चोटे आई हैं। थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुअस 315/26 धारा 115(2),352, 351(3) बीएनएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

# जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई को लेकर सपा अल्पसंख्यक सभा ने जताया विरोध

वेलकम इंडिया संवाददाता

**अमरिया/पीलीभीत।** रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा। जिलाध्यक्ष रियाज खांन के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि प्रस्तावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर विधिसम्मत निर्णय लिया जाए।

ज्ञापन में कहा गया कि जौहर विश्वविद्यालय से हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य जुड़ा हुआ है। इसके अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यदि विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किया जाता है तो इसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था के साथ ही विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अथवा कानूनी कार्रवाई संविधान, कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप ही होनी चाहिए। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय के निर्माण या भवनों से संबंधित कोई विवाद है तो उसका समाधान निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय निर्माण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज कर कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय रामपुर जनपद में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और लंबे समय से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है।

ऐसे में भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई जनहित और छात्रहित दोनों के विपरीत होगी। उन्होंने राज्यपाल और सरकार से मामले में हस्तक्षेप करते हुए प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने तथा निष्पक्ष जांच के बाद ही कोई निर्णय लेने की मांग की।

इस दौरान प्रदेश सचिव सरदार अमर सिंह, हाजी शीबू मलिक, जिला महासचिव सैय्यद रिहानुल कादरी, काहिद अली, गयासुद्दीन मंसूरी, नोमान अली वारसी, अब्दुल अजीज मंसूरी, शकील खां, मोहम्मद नसीम खां, गयास खां एडवोकेट, इरशाद अहमद नेता जी, अशफाक अहमद खां, सरदार जोविनप्रीत सिंह, अदील अहमद मलिक, हाजी इम्तियाज अल्वी, मौलाना आरिफ हशमती, हाजी अकबर अहमद अंसारी, फरफूद अली, नाजिम खां, हसन खां, हाशिम अली, आरिश खान अजहरी, नाबिर अली मंसूरी, तस्लीम अहमद, अजीम खां, इमरान खान, अमन अली, नौशाद गाजी, वसीम, सोईल अहमद, अफजल अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# एससी-एसटी टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बीएसए से की वार्ता, जातिगत उत्पीड़न व स्थानांतरण के मुद्दे उठाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बुलंदशहर।** सोमवार को एससी-एसटी टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जनपद बुलंदशहर के जिलाध्यक्ष केहर सिंह के नेतृत्व एवं प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वेद प्रकाश गौतम के मार्गदर्शन में सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) से विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर वार्ता की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने परिषदीय विद्यालयों में कथित जातिगत आधार पर हो रहे उत्पीड़न का मामला प्रमुखता से उठाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अनुचरों के नियम विरुद्ध किए गए स्थानांतरण को निरस्त कर उन्हें उनके मूल विद्यालयों में भेजने तथा समायोजन प्रक्रिया में बरती जा रही त्रुटियों को शीघ्र सुधारने की मांग भी रखी।

वार्ता के उपरांत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संगठन द्वारा दिए गए लिखित प्रार्थना-पत्रों एवं शिकायतों का नियमानुसार और समयबद्ध समाधान कराया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने वार्ता को सकारात्मक एवं सार्थक बताया।

इस दौरान प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वेद प्रकाश गौतम, जिला अध्यक्ष केहर सिंह, सीताराम, अशोक कुमार, गुंजन रानी, सीमा अंबेडकर, नरेश कुमार, कमल किशोर, कुलदीप गौतम, डेविड, टिंकू सिंह, जय सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# स्याना नपा को यथार्थ फाउंडेशन सौंपेगा डेड बॉडी फ्रीजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी प्रेमनारायण त्यागी (संस्कार फार्म हाउस) ने जानकारी दी कि यथार्थ ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की संस्था यथार्थ फाउंडेशन के सौजन्य से स्याना नगरपालिका परिषद को एक शव संरक्षण उपकरण (डेड बॉडी फ्रीजर) प्रदान किया जाएगा। विदित हो कि यथार्थ फाउंडेशन के संरक्षक चौधरी प्रेमनारायण त्यागी हैं तथा 29 जुलाई को उनके द्वारा नगरपालिका परिषद स्याना के अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह को लोकार्पण हेतु नगरपालिका परिषद कार्यालय में प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी, समस्त सभासदगण तथा गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे। बताया गया कि इस उपकरण की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

# संयुक्त प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल 29 जुलाई को नगर आयुक्त एवं उपाध्यक्ष मेरठ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष को सौंपेगा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मेरठ।** संयुक्त प्रेस क्लब (रजि.) मेरठ के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, पत्रकार साथियों, संपादकों, प्रकाशकों तथा दैनिक प्रातःकालीन, सायंकालीन दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक एवं मासिक समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों को सूचित किया जाता है कि समाचार पत्रों एवं पत्रकार हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर बुधवार, 29 जुलाई 2026 को एक प्रतिनिधिमंडल नगर निगम मेरठ एवं मेरठ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपेगा।

कार्यक्रम के अनुसार सभी संयुक्त प्रेस क्लब के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं पत्रकार साथी एवं समाचार पत्र प्रतिनिधि प्रातः 11 बजे कमिश्नरी चौराहा, मेरठ पर एकत्रित होंगे।

इसके उपरांत संयुक्त प्रेस क्लब के अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी एवं महामंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल नगर आयुक्त, नगर निगम मेरठ के कैंप कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपेगा।

तत्पश्चात प्रतिनिधिमंडल उपाध्यक्ष, मेरठ विकास प्राधिकरण को भी मांग पत्र सौंपेगा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की जाएगी कि पूर्व वर्षों की भांति 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस एवं 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर नगर निगम मेरठ, मेरठ विकास प्राधिकरण द्वारा दैनिक प्रातःकालीन समाचार पत्र, दैनिक सायंकालीन समाचार पत्र, साप्ताहिक समाचार पत्र, पाक्षिक (15 दिवसीय) समाचार पत्र एवं मासिक समाचार पत्रों को बिना किसी भेदभाव के विज्ञापन जारी किए जाएं। इसके अतिरिक्त सभी पात्र समाचार पत्रों को विभागीय रोस्टर में शामिल करने, विभागीय टेंडर, निविदाएं, जनहित सूचनाएं एवं अन्य विज्ञापन निष्पक्ष रूप से जारी करने तथा छोटे, लघु एवं क्षेत्रीय समाचार पत्रों को भी समान अवसर प्रदान करने की मांग उठाई जाएगी, ताकि सरकारी योजनाओं एवं विभागीय सूचनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार जन-जन तक हो सके।

यह जानकारी अतुल माहेश्वरी अध्यक्ष, संयुक्त प्रेस क्लब एवं धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर महामंत्री, संयुक्त प्रेस क्लब (रजि.) मेरठ ने जारी एक प्रेस में गति के माध्यम से दी।

# आवारा सांड की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

हादसे में मृतक धर्मेंद्र

**डिबाई।** क्षेत्र के लक्ष्मपुर गांव के पास रविवार शाम आवारा सांड की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव सेदमा निवासी 32 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र बुद्धसेन अपने साथी नीरज चौधेरा के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर आए आवारा सांड ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सांड का सींग धर्मेंद्र के पेट में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नीरज को मामूली चोटें आईं। धर्मेंद्र जेसीबी चालक था और परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

# ट्रांस शारदा के तीन गांवों के किसानों के हक की लड़ाई तेज, बृज मौर्या ने उठाई भूमिधरी अधिकार की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैल्हा, बमनपुरी भागीरथ और सिंघाड़ा उर्फ टाटरगंज के भूदान पट्टेदार एवं विस्थापित किसानों को संक्रमणीय भूमिधरी अधिकार दिए जाने की मांग तेज हो गई है। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्या ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव (राजस्व एवं वन विभाग), जिलाधिकारी पीलीभीत तथा उपजिलाधिकारी पूरनपुर को मांग पत्र भेजकर किसानों की समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग उठाई है।

मांग पत्र में कहा गया है कि वर्ष 1947 के देश विभाजन और 1950 के दशक में पूर्वी पाकिस्तान तथा पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों से विस्थापित होकर आए परिवारों को तत्कालीन पुनर्वास नीति और भूदान समिति के माध्यम से भूमि आवंटित कर बसाया गया था। इन परिवारों की तीन पीढ़ियां पिछले 75 वर्षों से अधिक समय से भूमि पर काबिज होकर कृषि कार्य कर रही हैं। किसानों ने अपने परिश्रम से कभी बीहड़ और बंजर मानी जाने वाली भूमि को उपजाऊ बनाया और क्षेत्र में स्थायी रूप से अपना जीवन बसाया।

बृज मौर्या ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धाराओं का हवाला देकर किसानों की भूमि पर आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं, जिससे उनके भूमि अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से काबिज विस्थापित एवं भूदान पट्टेदार किसानों के अधिकारों को शासन के अप्रैल 2026 के शासनादेश के अनुरूप सुरक्षित किया जाना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि वन विभाग की आपत्तियों का ग्राम सिद्ध नगर और अन्य ग्रामों की नजीर के आधार पर तत्काल निस्तारण किया जाए तथा किसानों के नाम राजस्व अभिलेखों में संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज किए जाएं। इसके लिए विशेष राजस्व शिविर आयोजित करने की भी मांग की गई है।

मांग पत्र में किसानों के प्रशासनिक एवं वन विभाग स्तर पर कथित उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए कहा गया है कि यदि शासन-प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो किसान कांग्रेस किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए जनआंदोलन और विधिक कार्रवाई का रास्ता अपनाने को बाध्य होगी।

# पहासू में सरकारी सीसीटीवी कैमरे महीनों से बंद, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पहासू (बुलंदशहर)।** कस्बा पहासू के अलीगढ़ चौराहे पर लगे सरकारी सीसीटीवी कैमरे पिछले करीब 10 माह से खराब पड़े होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन कैमरों को दुरुस्त कराने के लिए पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया, जबकि यह चौराहा कस्बे का प्रमुख और व्यस्त स्थान है। लोगों का कहना है कि पुलिस अक्सर जनसभाओं और व्यापारी बैठकों में दुकानदारों व नागरिकों से अपने प्रतिष्ठानों और मकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील करती है, लेकिन सरकारी कैमरे ही लंबे समय से बंद पड़े हैं। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का यह भी आरोप है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के खुलासे में खराब पड़े सरकारी कैमरे भी एक बड़ी बाधा बन रहे हैं। उनका कहना है कि यदि कैमरे चालू होते तो कई मामलों में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते थे। कावड़ यात्रा जैसे संवेदनशील अवसर पर भी कैमरों को दुरुस्त न कराया जाना सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता का विषय माना जा रहा है। लोगों ने पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द बंद पड़े सरकारी सीसीटीवी कैमरों को ठीक कराकर उन्हें चालू कराने की मांग की है।

# बैरिस्टर ओवैसी ने किया स्व. जावेद रशीद एडवोकेट के जीवन पर आधारित दो पुस्तकों का विमोचन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मुरादाबाद।** एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हैदराबाद से सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय जावेद रशीद एडवोकेट के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित दो पुस्तकों का अपने कर-कमलों से विमोचन किया।

पहली पुस्तक 'फख्र-ए-मुरादाबाद' प्रसिद्ध शायर इस्लाम अर्शी द्वारा उर्दू भाषा में लिखी गई है, जिसमें स्व. जावेद रशीद के व्यक्तित्व, सामाजिक योगदान और उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया गया है। दूसरी पुस्तक 'हयात-ए-जावेद रशीद' समाजसेवी फि रोज खान द्वारा लिखी गई है, जिसमें उनके जीवन संघर्ष, वकालत, सामाजिक सेवाओं और जनहित के कार्यों का विस्तृत वर्णन किया गया है। इस अवसर पर बैरिस्टर ओवैसी ने स्व. जावेद रशीद एडवोकेट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज और न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने दोनों पुस्तकों के लेखकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तित्वों के जीवन को पुस्तकों के माध्यम से संरक्षित करना समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य है। कार्यक्रम में जावेद रशीद एडवोकेट के पुत्र वकी रशीद एडवोकेट भी उपस्थित रहे।

# सड़क निर्माण से लेकर पर्यटन विकास तक, पूरनपुर के चौमुखी विकास को विधायक ने तेज किए प्रयास

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** क्षेत्र के विकास और ग्रामीण इलाकों में बेहतर आवागमन की दिशा में विधायक बाबूराम पासवान ने एक साथ कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विधायक ने उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को पत्र भेजकर पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की सात प्रमुख सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य को स्वीकृति प्रदान किए जाने की मांग की है। इन सड़कों के निर्माण से दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। विधायक द्वारा भेजे गए पत्र में आसाम रोड कढ़ेर चौरा से रामपुर कोन कैनाल तक तीन किलोमीटर, अम्बेडकर ग्राम भायपुर संपर्क मार्ग तक 2.90 किलोमीटर तथा माधौटांडा मार्ग पर जमुनिया चौराहे से सपहा तक चार किलोमीटर सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की गई है। इसके अलावा कलीनगर-शाहगढ़ मार्ग पर वीरखेड़ा होते हुए जमुनिया कलीनगर गुरुद्वारा के पास तक 2.20 किलोमीटर, संपर्क मार्ग विनौर नचनी से अजायब सिंह के घर होते हुए पोल्ट्री फार्म तक दो किलोमीटर, स.मा. नदहा नहर की पुलिया से गुरमुख सिंह के घर तक दो किलोमीटर और मोहनपुर से मुजफ्फरनगर तक 2.06 किलोमीटर सड़क के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य को भी प्रस्तावित किया गया है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को आवागमन में काफी राहत मिलने की उम्मीद है। विधायक ने विश्वास जताया कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में संबंधित सड़कों के निर्माण कार्य को जल्द स्वीकृति मिलेगी और क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

# 'वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ' का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे द वर्डेंट स्कूल के विद्यार्थी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने के उद्देश्य से द वर्डेंट पब्लिक स्कूल के इको क्लब के विद्यार्थियों ने अनूठी पहल करते हुए नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। 'वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ' अभियान के तहत विद्यार्थियों ने लगातार दो दिनों तक नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न स्थानों पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर वन महोत्सव और 'एक पेड़ धरती मां के नाम' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। अभियान के प्रथम दिन इको क्लब के विद्यार्थियों ने सिरसा चौराहा, अग्रसेन चौराहा, ब्लॉक रोड, ग्राम घाटमपुर और शेरपुर कलां में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने पेड़ों के महत्व, लगातार घटते हरित क्षेत्र और पर्यावरण पर बढ़ते संकट को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, लगाए गए पौधों की देखभाल करने और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने की अपील की। उनकी प्रस्तुतियों ने राहगीरों और स्थानीय नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सोचने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने ग्राम लाह और गहलुइया पहुंचकर ग्रामीणों के बीच नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को समझाया कि पेड़ केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि शुद्ध हवा, वर्षा, जल संरक्षण और मानव जीवन के लिए भी बेहद आवश्यक हैं। विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुति को ग्रामीणों ने खूब सराहा और पर्यावरण संरक्षण के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मोहम्मद असद खान एवं प्रधानाचार्या देवेंद्र कौर ने ग्रीन इको क्लब के विद्यार्थियों के प्रयास और उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि वर्तमान पीढ़ी ने प्रकृति की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम का सफल आयोजन इको क्लब इंचार्ज फरहा खान एवं ग्रीन हाउस इंचार्ज अनीस खान की निगरानी में संपन्न हुआ। विद्यालय की प्रार्थना सभा में भी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को वन महोत्सव, पौधारोपण और वृक्षों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने साबित किया कि जागरूकता की छोटी-सी पहल भी समाज में पर्यावरण संरक्षण की बड़ी मुहिम को गति दे सकती है।

# 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन, मेधावी छात्रा पायल चौधरी का विधायक संजय शर्मा ने किया सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

**जहांगीराबाद।** कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खालौर में रविवार को एक विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण को सुना गया। बूथ संख्या 317 पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक संजय शर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री के विचारों को साझा किया। कार्यक्रम के उपरांत विधायक संजय शर्मा ग्राम निवासी नीरज चौधरी के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने उनकी पुत्री एवं प्रतिभाशाली छात्रा पायल चौधरी को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। पायल चौधरी ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की बी.कॉम परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने आरडीपीडी गर्ल्स कॉलेज, जहांगीराबाद में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विधायक संजय शर्मा ने प्रधानमंत्री 'मन की बात' कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम नवाचार, जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, युवा शक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे प्रेरणादायक विषयों के माध्यम से समाज को नई दिशा देता है। वहीं मेधावी छात्रा पायल चौधरी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विधायक ने कहा कि बेटियां समाज का गौरव हैं। उनकी सफलता पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बेटी पढ़ेगी, बेटी बढ़ेगी, तभी सशक्त और समृद्ध भारत का निर्माण होगा।

# आरकेजीआईटी एवं एल एंड टी एडुटेक के मध्य एमओयू सम्पन्न

## ई-मोबिलिटी एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स हेतु एडवांस्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), गाज़ियाबाद ने ई-मोबिलिटी एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के क्षेत्र में एडवांस्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु एल एंड टी एडुटेक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण, अत्याधुनिक तकनीकों, अनुसंधान, नवाचार एवं रोजगारपरक कौशल से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में आरकेजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा, एल एंड टी एडुटेक के एसोसिएट डायरेक्टर श्री राम शर्मा तथा रीजनल लीड (नॉर्थ इंडिया) आशीष मिश्रा सहित संस्थान के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उद्योग-अकादमिक सहयोग विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करने का प्रभावी माध्यम है।

प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप एवं व्यावहारिक अनुभव के अवसर प्राप्त होंगे। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने कहा कि आरकेजीआईटी गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा एवं उद्योग-अकादमिक सहयोग को सदैव प्राथमिकता देता रहा है। ईवी तकनीक पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता एवं नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और युवा पीढ़ी इसके विकास की प्रमुख शक्ति है। एल एंड टी एडुटेक के एसोसिएट डायरेक्टर राम शर्मा एवं रीजनल लीड (नॉर्थ इंडिया) आशीष मिश्रा ने बताया कि इस पहल के तहत विद्यार्थियों को उद्योग-प्रमाणित पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन, इंटर्नशिप तथा लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आरकेजीआईटी एवं एल एंड टी एडुटेक के मध्य एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान रहा। इस सेंटर से विशेष रूप से मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन सहित अन्य शाखाओं के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं वैश्विक स्तर के कौशल विकास के अवसर प्राप्त होंगे। अंत में विश्वास व्यक्त किया गया कि यह साझेदारी उद्योग-अकादमिक सहयोग, नवाचार एवं कौशल विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी।

# सरस्वती विद्या मंदिर में किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** किरणमाला सुरेश चंद जैन सरस्वती विद्या मंदिर हा सै स्कूल गदाना मोदीनगर में भारत विकास परिषद शाखा मोदीनगर के सौजन्य से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर द्वारा चिकित्सक डॉ सुशांत कुमार, डॉ नसरीन बानो, ज्योति (सी एच ओ), पूजा कुमारी (ए एन एम) पूजा उपाध्याय (ए एन एम) तथा श्रीमती रीना (आशा) ने छात्राओं का हिमोग्लोबिन व स्वास्थ्य परीक्षण किया। जिसमें उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा सैनेट्री पैड व आवश्यक दवाओं का वितरण किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों व चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

# साहित्य मंच ने सरस काव्य संध्या का भव्य किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** साहित्यिक संस्था 'अखिल भारतीय साहित्य मंच 'मोदीनगर के सौजन्य से एक सरस काव्य संध्या का भव्य आयोजन 'आर्य समाज मंदिर' के सभागार में मां सरस्वती के चित्र के समक्ष कार्यक्रम के अध्यक्ष देवी शरण पश्यक ने दीप प्रज्वलित कर, काव्य संध्या का श्रीगणेश किया। नगर कवयित्री श्रीमती पुष्पा शर्मा ने मां सरस्वती जी का आवाह्न करते हुए मन भावन मुधर गीत पढ़ा--'गागर में सागर भर देती, बार-बार तेरा वंदन। जिव्हा को पावन कर देती, ज्यों माथे टीका चंदन।।' रचना की मुक्त कंठ से सराहना की गयी। संस्था के उपाध्यक्ष रवीन्द्र कुमार शर्मा द्वार अपनी सद् प्रकाशित पुस्तक 'मेरी अनुभूतियां' संस्था के संरक्षक डॉ श्रद्धानंद शर्मा को सहर्ष भेंट की गयी। 'मेरी अनुभूतियां' पुस्तक से रवीन्द्र शर्मा ने अपने जीवन के संघर्षमयी दिनों को स्मरण करते हुए बखूबी हृदय स्पर्शी चित्रण किया है। जिसे श्रोताओं ने अपनी सांसें थामकर सुना, और रचनाओं की भूरि- भूरि प्रशंसा की। डॉ. श्रद्धानंद शर्मा ने ॐ की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए गीत पढ़ा-- ॐ है जीवन हमारा, ॐ प्राणाधार है। ॐ है कर्ता विधाता, ॐ पालनहार है। इसी श्रृंखला में धनेश त्यागी ने एक गजल को स्वर दिया-- कुछ दूर साथ चलके, रस्ता बदल गया, बातें बदल गईं, तो रवैया बदल गया। ब्रज भाषा के कवि दरयाब सिंह राजपूत 'ब्रजकण' ने ये मुक्तक- वर्षों के बाद मिलने, मिलाने का शुक्रिया,फिर से हसींन महफि ल, सजाने का शुक्रिया। आए थे बड़े जोश से, संसद उखाड़ने --फिर एक बार मुंह की, खाने का शुक्रिया। पढकर खूब तालियाँ बटोरी, साथ ही कुछ ब्रज भाषा के नवरचित पदों को भी सुनाया। भक्तिभाव से ओत-प्रोत पदों की खूब प्रशंसा हुई। कविः देवी शरण पश्यक जी की आध्यात्मिक रचना-दुनिया एक भ्रम है सोच जरा प्यारे। स्वयं को पायेगा तू ॐ के सहारे। राम-राम भज राम, तू राम-राम भज राम गीत की मुक्त कंठ से सभी श्रोताओं द्वारा भरपूर सराहना की गयी। शेष अन्य कवियों ने भी देश भक्ति से परिपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन नोएडा से पधारे कवि रवीन्द्र शर्मा ने किया, और अध्यक्षता देवी शरण पश्यक ने की। सूक्ष्म जलपान के उपरांत कार्यक्रम को विराम दिया गया।

# पंजाबी संगठन ने नवनियुक्त एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार का किया भव्य स्वागत

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** नवनियुक्त उपजिलाधिकारी (एसडीएम) श्रीमती कोमल पंवार का सोमवार को पंजाबी संगठन मोदीनगर ,महिला पंजाबी संगठन मोदीनगर और लायंस क्लब मोदीनगर उड़ान इंटरनेशनल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए जनहित एवं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु सफल कार्यकाल की कामना की। पंजाबी संगठन की ओर से अध्यक्ष अजय ग्रोवर, संजय नैय्यर, रमेश खुराना, हरेंद्र अरोड़ा ,एन के ग्रोवर , चंद्र मोहन चौधरी एवं अमितेश जैन उपस्थित रहे। महिला पंजाबी संगठन की ओर से अध्यक्ष डॉ. शालिनी नैय्यर के नेतृत्व में हर्षिता चौधरी, गीता मोहन अरोड़ा, मीनू त्यागी, रुचि गुप्ता एवं डॉ. सुषमा त्यागी ने एसडीएम कोमल पंवार का स्वागत किया तथा उनके सफल एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। सभी उपस्थितजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती कोमल पंवार के नेतृत्व में प्रशासन एवं जनसामान्य के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा अंत में सभी ने नवनियुक्त एसडीएम को पुनः शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

# पालिका परिषद की टीम ने सारा मार्ग चौड़ीकरण को लेकर मकानों का चिन्हांकन कर लाल निशान लगाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मोदीनगर।** गोविंदपुरी से सारा गांव तक जाने वाले मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर वर्षों से चला आ रहा विवाद अब समाधान की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। सोमवार को नगर पालिका परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क किनारे बने मकानों का चिन्हांकन करते हुए लाल रंग के निशान लगाए। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि सारा गांव के ग्रामीण लंबे समय से इस मार्ग के चौड़ीकरण की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बेहद संकरी होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है।

विशेष रूप से गन्ना सीजन के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य बड़े वाहनों के आवागमन में भारी परेशानी होती है। सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग और अतिक्रमण के कारण लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है। ग्रामीणों ने पिछले दो महीनों में जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री तक को कई बार शिकायत पत्र भेजे। इसके अलावा मोदीनगर तहसील पर धरना-प्रदर्शन कर चेतावनी भी दी थी कि यदि जल्द सड़क चौड़ीकरण नहीं कराया गया तो अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसी मांग को लेकर सोमवार को भी बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। नगर पालिका परिषद की ओर से मौके पर पहुंचे अधिकारी अंकित चौधरी ने बताया कि सड़क के दोनों ओर चौड़ीकरण किया जाएगा। इसी उद्देश्य से प्रभावित मकानों का चिन्हांकन कर लाल निशान लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन मकान मालिकों के भवन चिन्हित किए गए हैं, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया जाएगा। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय के भीतर संबंधित लोग स्वयं निर्माण नहीं हटाते हैं तो नगर पालिका प्रशासन अपने स्तर पर कार्रवाई करेगा। चिन्हित सीमा तक बने निर्माण को हटाकर सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया जाएगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से चली आ रही जाम और आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

# नंदग्राम में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर ने 200 जरूरतमंदों को दी नई उम्मीद

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को नंदग्राम के ई-ब्लॉक क्षेत्र में बिराज फाउंडेशन के सहयोग से गणेश अस्पताल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 200 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। इस दौरान मरीजों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गईं और उन्हें बीमारियों से बचाव, संतुलित जीवनशैली तथा समय पर उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। शिविर में सुबह से ही स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने इस जनकल्याणकारी पहल का लाभ उठाया। चिकित्सकों ने प्रत्येक मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। रक्तचाप, रक्त शर्करा सहित अन्य आवश्यक जांचें भी निशुल्क की गईं, जिससे लोगों को अपने स्वास्थ्य की स्थिति का सही आकलन करने का अवसर मिला। बिराज फाउंडेशन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बिराज सिंह ने कहा कि नंदग्राम क्षेत्र में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) परिवार निवास करते हैं, जिनके लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह प्राप्त करना कई बार कठिन हो जाता है। ऐसे में इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, ताकि आर्थिक अभाव किसी भी व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी चिकित्सा सुविधा। यदि लोग समय-समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच कराते रहें और चिकित्सकों की सलाह का पालन करें, तो अनेक गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर उनका उपचार संभव है। बिराज फाउंडेशन भविष्य में भी ऐसे जनसेवा अभियान निरंतर संचालित करता रहेगा। गणेश अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रतीक शर्मा ने कहा कि अस्पताल अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता है। उनका कहना था कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य भी है।

# सावन में भगवान शिव की आराधना से मिलती है सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति : ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकरजी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**प्रयागराज।** सावन (श्रावण) मास भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र और फलदायी माना जाता है। ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकरजी ने बताया कि वर्ष 2026 में उत्तर भारत के अधिकांश क्षेत्रों में सावन 30 जुलाई से 28 अगस्त तक मनाया जाएगा। इस पूरे माह में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं, मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद मिलता है।

उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान निकले विष हलाहल का पान भगवान शिव ने संपूर्ण सृष्टि की रक्षा के लिए किया था। इसके बाद देवताओं ने उनके विष के प्रभाव को शांत करने के लिए जल अर्पित किया। यही कारण है कि सावन में शिवलिंग पर जल एवं गंगाजल चढ़ाने का विशेष महत्व माना जाता है। ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकरजी के अनुसार सावन के प्रत्येक दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें, शिवलिंग पर जल या गंगाजल अर्पित करें, बेलपत्र, सफेद पुष्प, धतूरा और मौसमी फल अर्पित करें। घी का दीपक जलाकर ₹ॐ नमः शिवाय₹ मंत्र का 108 बार जप करें तथा शिव चालीसा, रुद्राष्टकम अथवा महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें। उन्होंने कहा कि सावन के सोमवार विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित होते हैं। श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार व्रत रखें, रुद्राभिषेक करें, जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री का दान करें और शिव मंदिर में जाकर सच्चे मन से प्रार्थना करें।

कावेरी मुकरजी ने बताया कि करियर में सफलता के लिए सोमवार को शिवलिंग पर जल में काले तिल मिलाकर अर्पित करना शुभ माना जाता है। आर्थिक समृद्धि के लिए अन्न एवं भोजन का दान करें। अविवाहित युवक-युवतियां भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर योग्य जीवनसाथी की कामना करें, जबकि अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित जलाभिषेक और महामृत्युंजय मंत्र का जप लाभकारी माना गया है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से सावन मास में क्रोध, असत्य, कटु वचन, नशा और मांसाहार से दूर रहने, स्वच्छता, संयम, सेवा, दया और सदाचार का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव सच्ची श्रद्धा और निष्कपट भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होते हैं तथा अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं।

अंत में ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकरजी ने सभी श्रद्धालुओं को सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन महीना सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति लेकर आए।

# इंद्रापुरी कॉलोनी में आईजीएल द्वारा पाइप्ड नेचुरल गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्य का विधिवत शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के तिबड़ा रोड स्थित इंद्रापुरी कॉलोनी में आईजीएल द्वारा पाइप्ड नेचुरल गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि यह मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है।

पाइप्ड नेचुरल गैस की यह सुविधा क्षेत्रवासियों के जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित तथा पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक घर तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लंबे समय से किए गए सतत प्रयासों एवं सरकार के समक्ष निरंतर उठाए गए अनुरोधों के परिणामस्वरूप आज यह महत्वपूर्ण सुविधा मोदीनगर की जनता को प्राप्त हो रही है।

# पहले दिन काम पर आई नौकरानी पर मोबाइल चोरी का आरोप, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

## क्रॉसिंग रिपब्लिक की पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी में घटना, पुलिस ने शुरू की जांच

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी में घरेलू काम करने आई एक नौकरानी पर मोबाइल चोरी करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पूरी घटना सोसाइटी के फ्लैट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने का दावा किया गया है।

पीड़िता शिल्पा यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार को पूनम उर्फ पूजा नाम की महिला पहली बार उनके फ्लैट पर घरेलू काम करने आई थी। शाम करीब साढ़े चार बजे महिला ने किसी जरूरी काम का हवाला देते हुए घर जाने की बात कही। उसके जाने के कुछ समय बाद परिवार ने मोबाइल फोन तलाश किया तो वह गायब मिला। मोबाइल नहीं मिलने पर परिवार ने फ्लैट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें महिला के मोबाइल लेकर जाते हुए दिखाई देने का दावा किया गया है। इसके बाद पीड़िता ने मोबाइल नंबर और आईएमईआई नंबर सहित पूरी जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराते हुए कार्रवाई और मोबाइल बरामद कराने की मांग की।

मामले की सूचना मिलने के बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महिला की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है।

# ट्रक की लापरवाही से टला बड़ा हादसा, बिजली के तारों में उलझा वाहन; चार कारें क्षतिग्रस्त

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र स्थित शांति नगर में नीलम धर्म कांटे के पास सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रक को बैक करते समय वह ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों में उलझ गया, जिससे दुकानों के ऊपर लगी भारी लोहे की ग्रिल उखड़कर नीचे खड़ी चार कारों पर आ गिरी। हादसे में चारों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय कारों में कोई सवार मौजूद नहीं था और आसपास भी भीड़ नहीं थी। यदि उस समय लोग वहां मौजूद होते तो बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक की लापरवाही को हादसे का कारण बताया और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन से आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की।

# सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

## भूमि कब्जा, बैंक, राजस्व और अन्य मामलों की हुई समीक्षा, संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** जनपद के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान एवं कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बंधु बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी ने की।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और पूर्व सैनिकों से जुड़े लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक की शुरूआत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) राम प्रवेश सिंह ने सभी अधिकारियों, बाबूगढ़ छावनी के स्टेशन मुख्यालय के एडम कमांडेंट, जिला सैनिक बंधु समिति के सदस्यों, वीर नारियों और पूर्व सैनिकों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए की। उन्होंने 22 मई को आयोजित पिछली जिला सैनिक बंधु बैठक के बाद कार्यालय द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी भी सभी के समक्ष रखी।

इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी ने पिछली बैठकों में प्राप्त शिकायतों और लंबित मामलों की बिंदुवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पूर्व अधिकारी लेफ्टिनेंट सुदेशपाल के प्रकरण में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

वहीं, पूर्व सैनिक एक्स सार्जेंट प्रवीण कुमार की भूमि पर कथित अवैध कब्जे के मामले में दोबारा जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में लवकुश पुत्र त्रिलोक चंद के मामले में दोनों पक्षों को बुलाकर सुनवाई करने का निर्णय लिया गया। श्रीमती राजेंद्र फौगाट, पत्नी पूर्व सैनिक कृपाल सिंह की भूमि की दीवार गिराए जाने के मामले में एसडीएम मोदीनगर से विस्तृत आख्या तलब की गई। वहीं नायक बसंत स्वरूप के भूमि विवाद में पड़ोसी द्वारा किए गए कथित कब्जे के मामले में डिप्टी रजिस्ट्रार को आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा हवलदार राजेश कुमार के प्रकरण में एसडीएम मोदीनगर से दोबारा रिपोर्ट मांगी गई, जबकि पूर्व सैनिक महिपाल सिंह के प्लॉट संबंधी विवाद में एसडीएम गाजियाबाद को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाएगा। बैठक के समापन पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) राम प्रवेश सिंह ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, विभागीय प्रतिनिधियों तथा लगभग 40 पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में जिला सैनिक बंधु बैठकों में शामिल हों तथा अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन बैठक आयोजित होने से कम से कम दो दिन पहले जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, गाजियाबाद में जमा कर दें, ताकि समय रहते उनका परीक्षण कर प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में बाबूगढ़ स्टेशन मुख्यालय के एडम कमांडेंट, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम, जिला सैनिक बंधु समिति के सदस्य तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के वरिष्ठ सहायक पवन कुमार, कनिष्ठ सहायक विनोद कुमार, प्रियंका सिंह, रीतू सिंह, निपुण पायला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करते हुए उनके सम्मान और कल्याण को प्राथमिकता देना रहा।

# 4000 वर्गमीटर में बस रही अवैध कॉलोनी जमींदोज, विरोध के बीच चला ध्वस्तीकरण अभियान

## कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों ने किया विरोध, पुलिस बल की मौजूदगी में जीडीए ने पूरा किया ध्वस्तीकरण अभियान

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सोमवार को एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए मुरादनगर क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चला दिया। प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने ग्राम शाहपुर रोड स्थित राधा गार्डन में लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि पर बिना किसी वैध स्वीकृति के विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में जीडीए की टीम ने अभियान जारी रखते हुए अवैध निमार्णों को जमींदोज कर दिया। जीडीए उपाध्यक्ष के निदेशों के अनुपालन में चलाए जा रहे अवैध निर्माण विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में की गई। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि संबंधित भूमि पर बिना प्राधिकरण की स्वीकृति और बिना वैध भू-अभिलेखों के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। कॉलोनाइजर द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग कर सड़क तैयार की जा रही थी तथा अन्य निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहे थे।

निरीक्षण के दौरान जब संबंधित लोगों से निर्माण और भूमि से जुड़े स्वीकृत अभिलेख मांगे गए तो कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद जीडीए की टीम ने तत्काल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बुलडोजर की मदद से अवैध कॉलोनी में बनाई गई सड़क, बाउंड्रीवाल, साइट ऑफिस तथा अन्य निमार्णों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर और निर्माण से जुड़े लोगों ने विरोध जताने का प्रयास किया, लेकिन प्राधिकरण के पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते ने स्थिति को नियंत्रित रखा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिना किसी व्यवधान के पूरा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल तथा प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा।

# कांवड़ मार्ग पर एसीपी उपासना पाण्डेय का सघन निरीक्षण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर एवं कांवड़ सेल प्रभारी श्रीमती उपासना पाण्डेय ने पुलिस बल के साथ कदराबाद गंगनहर पाइपलाइन से लोनी बॉर्डर तक कांवड़ मार्ग का सघन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसीपी ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग एवं कांवड़ यात्रियों की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और श्रद्धालुओं को निर्बाध एवं सुरक्षित यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराया जाए। साथ ही पूरे मार्ग पर सतर्कता बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

### अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल, मतांतरण का दबाव और जान से मारने की धमकी

**गाजियाबाद।** मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला शिक्षिका ने मेरठ निवासी युवक और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि पुराने मुकदमे में अपने पक्ष में बयान दिलवाने के बावजूद आरोपी उसका लगातार पीछा करता रहा। अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर न केवल शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया गया, बल्कि धर्म परिवर्तन के लिए भी प्रताड़ित किया गया। आरोपियों ने महिला और उसके पति को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पांच लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता मूल रूप से मेरठ की रहने वाली है और उसकी शादी करीब दो वर्ष पहले गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र निवासी युवक से हुई थी। वर्तमान में वह एक विद्यालय में शिक्षिका के रूप में कार्यरत है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वर्ष 2024 में मेरठ के जैदी कॉलोनी निवासी आसिफ ने पहले उससे दोस्ती की और बाद में जबरन शारीरिक संबंध बनाकर उसका अश्लील वीडियो तैयार कर लिया। इसके बाद उसी वीडियो को आधार बनाकर उसे लगातार ब्लैकमेल किया जाने लगा।

# कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियां तेज: ट्रैफिक पुलिस को मिला 'सुरक्षा, अनुशासन और सेवा' का संदेश

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कविनगर स्थित रामजानकी ऑडिटोरियम, रामलीला ग्राउंड में कमिश्नरेट गाजियाबाद की यातायात पुलिस की विशेष गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में पुलिस उपायुक्त यातायात श्री त्रिगुण बिसेन, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात श्री वरुण कुमार सिंह तथा सहायक पुलिस उपायुक्त यातायात प्रथम श्रीमती शुचिता सिंह ने सभी यातायात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी ड्यूटी का निर्वहन पूर्ण मनोयोग, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करें।

सुरक्षात्मक उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा आमजन और कांवड़ यात्रियों के प्रति शालीन, संयमित एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखें।

गोष्ठी में यह भी कहा गया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निष्ठा, शुचिता और समर्पण के साथ पालन करते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे श्रद्धालुओं और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

# ऑपरेशन प्रहार का बड़ा वार: 21 किलो गांजा बरामद, दिल्ली-एनसीआर में नशे का नेटवर्क चलाने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा अपराध और नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत स्वाट टीम, अपराध शाखा और थाना विजयनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली-एनसीआर में गांजा, स्मैक और चरस की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। कार्रवाई के दौरान गिरोह के तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21 किलो 304 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन एवं अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) के नेतृत्व में सोमवार को काशीराम आवास के पास स्थित कब्रिस्तान गेट, थाना विजयनगर क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में विभिन्न माध्यमों से मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में सक्रिय बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों, सप्लाई नेटवर्क और नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पूछताछ और जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा तस्करों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# एक महीने में दूसरी बार गरजे किसान, दादरी तहसील में धरना देकर प्रशासन को सौंपा दोबारा ज्ञापन

**कपिल चौहान**

**गौतमबुधनगर (वेलकम इंडिया)।** भारतीय किसान यूनियन (भानू) के बैनर तले सोमवार को दादरी तहसील परिसर में किसानों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता ओमी प्रधान ने की, जबकि संचालन जिला प्रभारी मास्टर महकार नागर ने किया। धरने से पहले भाकियू (भानू) कार्यकर्ताओं ने दादरी नगर पंचायत से ट्रैक्टर-गाड़ियों के साथ दादरी तहसील तक पैदल मार्च निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उपजिलाधिकारी अभिनेंद्र सिंह एवं तहसीलदार के.के. चौरसिया ने धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनीं और एक सप्ताह के भीतर उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। किसान नेताओं ने बताया कि 1 जुलाई 2026 को जिन मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण वही ज्ञापन सोमवार को दोबारा सौंपा गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। धरने में प्रदेश महासचिव (पश्चिम उत्तर प्रदेश) संजय नागर, एनसीआर महासचिव सतवीर मुखिया, जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर, एनसीआर उपाध्यक्ष यशपाल नागर, नोएडा महानगर अध्यक्ष राजवीर मुखिया, दादरी विधानसभा अध्यक्ष जीवाराम यादव, तहसील अध्यक्ष भानु प्रकाश, सैनिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# बंद कमरे से उठी बदबू ने खोला हत्या का राज, महिला का शव बरामद, पति गायब

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** गाजियाबाद के थाना ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र की पूजा कॉलोनी में किराए के मकान से एक महिला का सड़ी-गली अवस्था में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। घटना के बाद से मृतका का पति और सात वर्षीय बेटी लापता हैं, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है।

मृतका की पहचान प्रमिला उर्फ सुशीला (करीब 50 वर्ष), निवासी मुजफ्फरपुर (बिहार) के रूप में हुई है। वह अपने पति पवन और बेटी विद्या के साथ करीब 10 दिन पहले ही पूजा कॉलोनी स्थित मकान में किराए पर रहने आई थी।

सोमवार सुबह पड़ोसियों ने कमरे से तेज दुर्गंध आने और दरवाजे पर मक्खियां भिनभिनाने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस और फोरेंसिक टीम ने कमरे का निरीक्षण कर शव बरामद किया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रमिला की यह दूसरी शादी थी। परिजनों के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना के बाद से पति पवन और बेटी विद्या दोनों गायब हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी पति वारदात के बाद फरार हो गया है। उसकी तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

# प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन को मिला नया नेतृत्व, जनसेवा का लिया संकल्प

गाजियाबाद। प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के संगठनात्मक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। नवयुग मार्केट स्थित अन्नपूर्णा बैंक्वेट हॉल में सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में संस्था की नई कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से घोषणा की गई। इस अवसर पर लंबे समय तक संगठन का सफल नेतृत्व करने वाले ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान को उनके उल्लेखनीय योगदान के सम्मान स्वरूप संस्थापक आजीवन संरक्षक एवं पीठाधीश्वर की जिम्मेदारी सौंपी गई। समारोह के दौरान उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाते हुए संगठन की गरिमा, एकता और सेवा भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। करीब 35 वर्षों तक अध्यक्ष पद का दायित्व निभाने वाले ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि संगठन ने हमेशा निजी चिकित्सकों के हितों की रक्षा, समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी नई सोच, नई ऊर्जा और आधुनिक कार्यशैली के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी तथा जनसेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी।

# देवप्रभा प्रकाशन के साहित्यिक आयोजन में दो दर्जन कवियों ने वर्षा, वरिष्ठ रचनाकारों को अंगवस्त्र और पुस्तकों से किया सम्मानित

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** सावन की फुहारों और साहित्य की सुगंध से सराबोर एक यादगार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन देवप्रभा प्रकाशन की ओर से सोमवार को शालीमार गार्डन स्थित टू मीडिया चैनल स्टूडियो में किया गया। पावस काव्य गोष्ठी और आम की दावत के इस अनूठे आयोजन में शहर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे दो दर्जन से अधिक कवियों और शायरों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से ऐसा साहित्यिक वातावरण रचा कि पूरा सभागार देर तक तालियों की गूंज से मुखरित रहा। कविता, संवेदना, प्रकृति और आत्मीयता से सजे इस आयोजन ने साहित्य प्रेमियों के मन पर गहरी छाप छोड़ी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व की पहली महाकवयित्री डॉ. मधु चतुर्वेदी ने की, जबकि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति का विशेष सान्निध्य कार्यक्रम को प्राप्त हुआ। आयोजन का संचालन कवि, पत्रकार एवं देवप्रभा प्रकाशन के प्रकाशक डॉ. चेतन आनंद ने अपने प्रभावशाली और सधे हुए अंदाज में किया। उनकी सहज प्रस्तुति ने पूरे कार्यक्रम को गरिमामय और रोचक बनाए रखा। काव्य गोष्ठी में आमंत्रित सुविख्यात कवयित्री डॉ. रमा सिंह, मशहूर शायर डॉ. जकी तारिक, सरवर खान सरवर, सुप्रसिद्ध कवि बाबा कानपुरी, अटल मुरादाबादी, अनिल मीत, दोहाकार डॉ. मनोज कामदेव, डॉ. मधुबाला

श्रीवास्तव, दीपिका वल्दिया, गरिमा आर्य, संगीता वर्मा, डॉ. प्रशांत सिंह, पूजा श्रीवास्तव, अर्चना मेहता, शोभा सचान, अजीत श्रीवास्तव तथा ज्योति राठौर सहित अनेक साहित्यकारों ने वर्षा ऋतु, प्रकृति, सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं और समसामयिक विषयों पर आधारित अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। कवियों की रचनाओं में कहीं सावन की रिमझिम फुहारों का सौंदर्य था, तो कहीं समाज की विसंगतियों पर तीखा व्यंग्य। कहीं प्रेम और प्रकृति की मधुर अनुभूतियां थीं, तो कहीं राष्ट्र, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संरक्षण का संदेश। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान साहित्य और संवेदनाओं का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर सभी आमंत्रित कवियों और साहित्यकारों को अंगवस्त्र एवं पुस्तकों के माध्यम से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और ऐसे आयोजन न केवल रचनाकारों को अपनी अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को साहित्य, भाषा और संस्कृति से जोडने का भी महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण पारंपरिक आम की दावत भी रही। काव्य गोष्ठी के समापन के बाद सभी साहित्यकारों और अतिथियों ने ठंडे दूध तथा विभिन्न किस्म के स्वादिष्ट आमों का आनंद लिया। आत्मीय वातावरण में साहित्य, समाज और समकालीन विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ, जिसने आयोजन को और अधिक यादगार बना दिया। अंत में आयोजन के सह-संयोजक अजीत श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों और श्रोताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देवप्रभा प्रकाशन भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक आयोजनों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों को समर्पित ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और सृजनशीलता को नई ऊर्जा प्रदान करते रहेंगे।